www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 284 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
09 जनवरी 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

# दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

**मौसम**
सूर्योदयः 06:57
सूर्यास्तः 05:30
अधिकतमः 17°00
न्यूनतमः 08°00

पेज 07

विशेष समाचार
जीडीपी बनाम एनडीपी बनाम ... >>पेज 04
आईआईटी स्टूडेंट की जिम ... >>पेज 06
40 साल के हुए यश ...

### रूस के खिलाफ प्रतिबंधों से जुड़े बिल को ट्रम्प की मंजूरी, अगले हफ्ते संसद में वोटिंग

# भारत पर 500% टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

**मंजूरी**

तमसा संकेत, एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों से जुड़े एक बिल को मंजूरी दे दी है। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक इस बिल में रूस से तेल खरीदने वाले देशों खासकर भारत, चीन और ब्राजील पर 500% तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने बताया कि उन्होंने बुधवार को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति से बातचीत की।

**अमेरिका ने रूसी तेल की खरीद को लेकर पर पहले से 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया हुआ है। अगर यह बिल पास हो जाता है, तो दिल्ली के लिए नई मुश्किलें लेकर आ सकता है। अब तक भारत पर कुल 50% टैरिफ लग चुका है। इसके चलते भारत को अमेरिका में अपना सामान बेचने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, जिसका असर भारत के निर्यात पर पड़ रहा है। दोनों देशों के बीच टैरिफ विवाद को निपटाने के लिए ट्रेड डील पर बातचीत भी चल रही है।**

## ट्रंप की टैरिफ धमकी से किसे नुकसान?

इसके तहत उन देशों पर भारी टैरिफ लगाए जा सकते हैं, जो रूस से तेल, गैस या अन्य ऊर्जा खरीदते हैं, खबर ये है कि टैरिफ की सीमा 500% तक हो सकती है. इसका मुख्यतौर पर भारत, चीन और ब्राज़ील पर असर हो सकता है. है कि भारत के US में निर्यात पर भारी टैक्स लग सकता है, जिससे भारतीय उत्पादों की कीमत अमेरिका में महंगी हो सकती है और व्यापार को नुकसान हो सकता है.

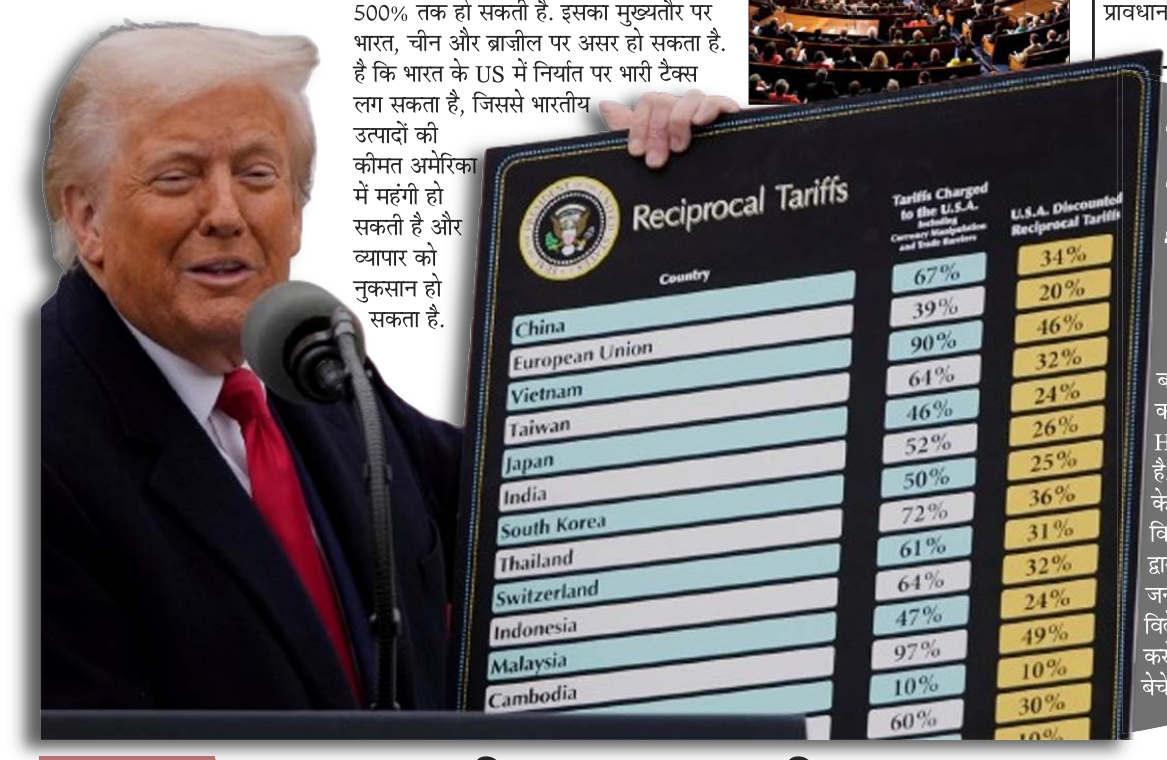


## विदेशी निवेशकों की बिकवाली भी बड़ी वजह

इसके अलावा दूसरी बड़ी वैश्विक बाजारों का कमजोर प्रदर्शन भी है. जापान का Nikkei 225 और हांगकांग का Hang Seng में बड़ी गिरावट देखी जा रही है. बुधवार को अमेरिकी बाजार भी गिरावट के साथ बंद हुए. तीसरी मुख्य वजह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) द्वारा लगातार शेयर बिकवाली है. जनवरी के शुरुआती दिनों में ही विदेशी निवेशकों ने हजारों करोड़ रुपये के शेयर्स बेचे हैं.

**भारत चाहता है कि उस पर लगाए गए कुल 50% टैरिफ को घटाकर 15% किया जाए और रूस से कच्चा तेल खरीदने पर जो एक्स्ट्रा 25% पेनल्टी लगाई गई है, उसे पूरी तरह खत्म किया जाए। दोनों देशों के बीच चल रही इस वार्ता से नए साल में कोई ठोस फैसला निकलने की उम्मीद है।**

## क्या है सेंक्शनिंग रशिया एक्ट (एसआरए) 2025?

इस एक्ट के तहत रूस के ऊर्जा, बैंकिंग और डिफेंस सेक्टर्स को निशाना बनाया गया है। इसमें रूसी तेल-गैस कंपनियों, बड़े बैंकों, डिफेंस इंडस्ट्री और उनसे जुड़े ग्लोबल नेटवर्क पर सख्त पाबंदियों का प्रस्ताव है। इसके साथ-साथ उन तीसरे देशों, कंपनियों या बैंकों पर भी सेकेंडरी सैंक्शन लगाने का प्रावधान है, जो रूस को प्रतिबंधों से बचने में मदद करते पाए जाएं। मतलब साफ है जो देश भी रूस के साथ घुमावदार रास्ते से कारोबार करेगा, वह भी अमेरिकी कार्रवाई की जद में आ सकता है। विधेयक में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों में फ्रीज की गई रूसी संपत्तियों को यूक्रेन के पुनर्निर्माण में इस्तेमाल करने की कानूनी राह तैयार करने की बात कही गई है। इससे युद्ध के नुकसान की भरपाई की जाएगी।

## क्यों लाया गया एसआरए एक्ट

रूस पर प्रतिबंध लगाने के लिए जारी किए गए ट्रम्प के कार्यकारी आदेशों को इस एक्ट के जरिए कानून में बदला जाएगा। भविष्य में कोई भी अमेरिकी राष्ट्रपति अकेले फैसले से इन प्रतिबंधों को नहीं हटा सकता और न ही उनमें कटौती कर सकेगा। अगर किसी तरह की छूट या राहत देनी भी हो, तो उसके लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी होगी। बिल में राष्ट्रपति को विशेष छूट (प्रेसिडेंशियल वेवर) देने का भी प्रावधान है, ताकि डोनाल्ड ट्रम्प को रूस पर दबाव बनाने की ज्यादा ताकत मिल सके।

## पत्थरबाजी मामला : सपा सांसद से पूछताछ करेगी पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली में 6 जनवरी की रात फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास हुई पत्थरबाजी को लेकर सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी से पूछताछ की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली पुलिस के सीनियर अधिकारियों के बार-बार कहने के बावजूद नदवी घटनास्थल से नहीं गए और आसपास मौजूद रहे। पुलिस ने CCTV फुटेज से पत्थरबाजी में शामिल 30 लोगों और सोशल मीडिया पर मस्जिद गिराने की अफवाह फैलाने वाले 10 इन्फ्लुएंसर की पहचान की है। हिंसा के मामले में 6 और गिरफ्तारियों के साथ कुल 11 लोग पकड़े गए हैं, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। दरअसल पूरा मामला फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाने से जुड़ा है। पुलिस की टीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक अतिक्रमण हटाने गई थी। इस बीच कुछ लोगों ने अफवाह फैलाई कि मस्जिद गिराई जाएगी।

# जनगणना 2027-पहला फेज 1 अप्रैल से सितंबर के बीच होगा

### घरों की लिस्टिंग और डेटा जुटाएंगे, ये काम 30 दिन में पूरा होगा

**जानकारी**

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA) ने बताया कि देश में होने वाली जनगणना 2027 का पहला फेज 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच किया जाएगा। इसकी शुरुआत घरों की लिस्टिंग और घरों का डेटा इकट्ठा करने से होगी। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने यहां 30 दिनों में यह काम पूरा करेंगे। MHA ने बुधवार को नोटिफिकेशन जारी कर बताया कि 1 अप्रैल से देशभर में सभी मकानों और परिवारों की लिस्ट बनाई जाएगी। साथ ही परिवारों की अन्य जानकारी भी इकट्ठी की जाएगी, ताकि जनसंख्या गिनने की मजबूत तैयारी हो सके।

>> (शेष पेज 06 पर)

**66 सरकार ने यह भी कहा कि घरों की लिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले लोगों को खुद से जानकारी भरने (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प भी दिया जाएगा। दरअसल जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे टाल दिया गया था, जो अब 2027 में पूरी होगी।**

# प्रधानमंत्री जी अपने होम मिनिस्टर को कंट्रोल कीजिए : ममता बनर्जी

### टीएमसी आईटी सेल इंचार्ज के घर-ऑफिस पर पड़े थे छापे

- ईडी के अफसरों ने प्रतीक के घर और ऑफिस से कई डॉक्यूमेंट्स जब्त किए।
- ममता ने हाथ में फाइल लेकर मीडिया को संबोधित किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने गुरुवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कथित कोयला तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छापेमारी के दौरान रुकावट पैदा की। वे कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंट फर्म I-PAC के डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर में जबरन घुसीं और अपने साथ कई फिजिकल डाक्यूमेंट्स और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले गईं। ED के मुताबिक, इसके बाद मुख्यमंत्री सॉल्ट लेक स्थित I-PAC कार्यालय भी पहुंचीं।

>> (शेष पेज 06 पर)

**ममता का आरोप- यह कार्रवाई घटिया और शरारती गृह मंत्री करवा रहे**

सीएम ममता ने छापेमारी को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया और इसके पीछे BJP की साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि क्या ईडी और अमित शाह का काम पार्टी की हार्ड डिस्क और उम्मीदवारों की सूची जब्त करना है? तरफ वे पश्चिम बंगाल में SIR के जरिए मतदाताओं के नाम हटाने का काम कर रहे हैं। दूसरी तरफ इस तरह की कार्रवाई की जा रही है।

**फास्ट न्यूज**

### 8 राज्यों के 15 कोर्ट कॉम्पलैक्स को उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, बिहार, ओडिशा, मध्य प्रदेश, केरल और छत्तीसगढ़ के 15 कोर्ट परिसर को गुरुवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद कोर्ट परिसर खाली करा लिए गए हैं। पुलिस की टीमें और डॉग स्क्वाड जांच कर रही है। सभी जगह दहशत का माहौल है।

### बेंगलुरु-विजयवाड़ा एक्सप्रेसवे पर 24 घंटे में 29 किमी सड़क बनी

विजयवाड़ा। NHAI ने आंध्र प्रदेश में बेंगलुरु-कडप्पा-विजयवाड़ा इकोनॉमिक कॉरिडोर (NH-544G) पर दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। राजपथ इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड ने 24 घंटे में 28.95 (14.5 किमी डबललेन) किलोमीटर सड़क बिछाई। इसी के साथ 10,675 मीट्रिक टन बिटुमिनस कंक्रीट (डामर) डाला। सीएम ने इसे भारत और आंध्र के लिए गर्व का पल बताया। यह प्रोजेक्ट भारतमाला फेज-2 के तहत शुरू हुआ था। इसमें ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड दोनों तरह की सड़कें बन रही हैं।

### कांग्रेस के 12 सस्पेंड पार्षद बीजेपी में शामिल

मुंबई। महाराष्ट्र में दिसंबर में हुए निकाय चुनाव के दौरान अंबरनाथ नगर परिषद सीट पर बहुमत के लिए कांग्रेस के 12 पार्षदों ने बीजेपी-एनसीपी से गठबंधन किया था। सभी सस्पेंड पार्षद बीजेपी में शामिल हो गए हैं। महाराष्ट्र भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने बुधवार देर रात BJP कार्यालय में इस बात की घोषणा की। उन्होंने कहा- लोगों ने इन पार्षदों को चुना था।

# सपा विधायक का निधन, 8 बार एमएलए रहे

### विजय सिंह ने लखनऊ पीजीआई में ली आखिरी सांस

**मौत**

तमसा संकेत, एजेंसी

विजय सिंह गोंड, सपा विधायक

सोनभद्र। सोनभद्र से सपा विधायक विजय सिंह गोंड का 71 साल की उम्र में निधन हो गया। गुरुवार को लखनऊ PGI में उन्होंने अंतिम सांस ली। विजय सिंह करीब एक साल से बीमार चल रहे थे। उनकी दोनों किडनियां खराब हो गई थीं। दो महीने से लखनऊ PGI में इलाज चल रहा था। विधायक के निधन का पता चलते ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव लखनऊ PGI पहुंचे। उन्होंने कहा- आज विधायक विनय गोंड हमारे बीच नहीं रहे। उन्होंने हमेशा आदिवासियों की सेवा की। इसलिए जनता उन्हें हर बार सेवा का मौका दिया। सपा नेता अवध नारायण यादव ने बताया- शुक्रवार को विजय सिंह गोंड का दुद्धी के कनहर घाट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा। इससे पहले पार्थिव शरीर DCF कॉलोनी के गोंडवाना भवन में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। विजय सिंह दुद्धी विधानसभा सीट से 8 बार विधायक रहे। मुलायम सरकार में राज्यमंत्री भी रहे। कांग्रेस नेता रामप्यारे पनिका ने विजय सिंह को राजनीति में आगे बढ़ाया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

### चुनाव आयोग ने सपा प्रमुख को याद दिलाई 'भेड़िया आया' कहानी

# भाजपा ने 1 करोड़ वोट जुड़वाए, एफआईआर हो : अखिलेश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- SIR की वजह से यूपी में भाजपा को नुकसान हुआ है। इसके बाद पार्टी ने एक करोड़ वोट बढ़ाए हैं। फर्जी वोट बढ़ाने वालों पर FIR हो। सोनभद्र से सपा विधायक विजय सिंह गोंड के निधन के बाद अखिलेश SGPGI पहुंचे। यहां मीडिया से कहा- जिस SIR के जरिए बीजेपी पूरे देश को परेशान कर रही थी, आज उसी SIR से बीजेपी खुद परेशान है। वहीं SIR को लेकर अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग से पूछा था कि पहले बेइमानी हो रही थी या बाद में हो रही है। चुनाव आयोग ने गुरुवार को इसका जवाब दिया। कहा- न तो बेइमानी पहले हो रही थी और न ही अब हो रही है। उन्होंने अखिलेश को 'भेड़िया आया' कहानी की याद भी दिलाई। दरअसल, निर्वाचन आयोग की तरह से जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची में करीब 3 करोड़ नाम कटे हैं। इस पर सपा ने सवाल उठाया। कहा- मुख्यमंत्री ने पहले कहा था कि 4 करोड़ नाम कट गए हैं। इसके बाद चुनाव आयोग सक्रिय हुआ और एक करोड़ नाम आनन-फानन में जोड़े गए। क्या निर्वाचन आयोग और सीईओ ये बताएंगे कि एक करोड़ नाम मुख्यमंत्री के बयान के बाद अचानक कहां से जुड़ने आ गए? अखिलेश ने सोनभद्र से सपा विधायक विजय सिंह गोंड के निधन पर शोक जताया। उन्होंने कहा- विजय सिंह गोंड ने हमेशा आदिवासी भाइयों के हक और सम्मान के लिए काम किया, जिसका नतीजा यह रहा कि जनता ने उन्हें हमेशा समर्थन दिया। बीजेपी वोट बढ़ाने का दबाव बनाएगी, क्योंकि उसका वोट कट गया है। कार्यकर्ताओं और आम जनता को अलर्ट रहने की जरूरत है।

पीजीआई में अखिलेश ने विधायक विजय सिंह गोंड के परिजनों से मुलाकात की।

## चुनाव आयोग की अखिलेश को इशारों में नसीहत

अखिलेश यादव के सवाल पर जवाब देते हुए चुनाव आयोग ने कहा- एसोप फेबल्स में एक प्रसिद्ध कहानी है 'द बॉय हू कैरिड वोल्फ'। आयोग का साफ-साफ इशारा भेड़िया आया, भेड़िया आया कहानी पर था। आयोग ने कहा कि इस कहानी से सबक मिलता है कि अगर कोई बार-बार झूठ बोलता है, तो एक समय ऐसा आता है कि उसकी सच कही बात भी झूठ लगती है।

**सुनवाई : जवाब देने के लिए समय बढ़ाने से इनकार, जस्टिस वर्मा ने महाभियोग को चुनौती दी थी**

# जज कैश कांड : सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने दो दिन की सुनवाई के बाद यह निर्णय लिया। हालांकि बेंच ने जस्टिस वर्मा को पार्लियामेंट्री कमेटी के सामने जवाब दाखिल करने के लिए समय बढ़ाने से मना कर दिया। उन्हें 12 जनवरी को संसदीय समिती के सामने जवाब देना है। दरअसल, जस्टिस वर्मा ने अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव को चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया कि दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन राज्यसभा ने उसे

मंजूर नहीं किया। इसके बावजूद लोकसभा ने अकेले जांच समिति बना दी, जो उनके अनुसार गलत है। एक दिन पहले, 6 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जांच समिति के गठन में कुछ खामियां दिखाई देती हैं। हालांकि कोर्ट यह देखेगा कि क्या यह खामी इतनी गंभीर है कि पूरी कार्यवाही को रद्द किया जाए। 14 मार्च को दिल्ली में जज के आधिकारिक आवास के स्टोर रूम में आग लगने के बाद जले हुए नोटों के बंडल मिले थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

## 7 जनवरी- सुप्रीम कोर्ट ने संसदीय जांच पैनल में खामी बताई

7 जनवरी को कोर्ट ने कहा था कि लोकसभा स्पीकर की ओर से गठित संसदीय जांच पैनल में कुछ खामी दिखाई देती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जजेज इन्क्वायरी एक्ट के तहत लोकसभा स्पीकर के पास यह अधिकार है कि वह जस्टिस वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए समिति गठित कर सकें, भले ही राज्यसभा में ऐसा ही प्रस्ताव खारिज हो चुका हो।

## 16 दिसंबर 2025- कोर्ट ने लोकसभा स्पीकर को नोटिस दिया

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 16 दिसंबर 2025 को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को नोटिस जारी किया। जस्टिस दीपांकर दत्ता और एजे मसीह की बेंच ने लोकसभा स्पीकर कार्यालय और दोनों सदनों के महासचिवों से जवाब मांगा था।

# कुत्ते इंसानी डर पहचानते हैं, इसलिए काटते हैं : सुप्रीम कोर्ट

### बोला-वकील बोले- देश में सिर्फ 5 सरकारी शेल्टर

**कार्यवाई**

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों से जुड़े मामलों पर गुरुवार को लगातार दूसरे दिन ढाई घंटे सुनवाई हुई। कोर्ट ने कुत्तों के बिहेवियर को लेकर चर्चा की। जस्टिस नाथ ने कहा कि कुत्ते इंसानों का डर पहचान लेते हैं इसलिए काटते हैं। इस पर एक वकील (कुत्तों के फेवर वाले) ने इनकार किया। फिर जस्टिस ने कहा- अपना सिर मत हिलाइए, ये बात मैं पर्सनल एक्सपीरियंस से बोल रहा हूं। उधर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि राज्यों ने जो आंकड़े दिए हैं। उनमें से किसी ने यह नहीं बताया कि नगर पालिकाओं की तरफ से कितने शेल्टर चलाए जाते हैं। देश में सिर्फ

5 सरकारी शेल्टर हैं। इनमें से हर एक में 100 कुत्ते रह सकते हैं। हमे इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत है। इससे पहले सुनवाई के दौरान एनिमल वेलफेयर की तरफ से दलील दे रहे एडवोकेट सीयू सिंह ने कुत्तों को हटाने या शेल्टर होम भेजने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि कुत्ते हटाने से चूहों की आबादी बढ़ेगी। इस पर कोर्ट ने मजाकिया अंदाज में कहा- तो क्या बिल्लियां ले आएं? इस मामले पर पिछले 7 महीनों में छह बार सुनवाई हो चुकी है।

# सीपीआर देते हुए लखनऊ पीजीआई पहुंचाया, गोरखपुर से लाते समय बिगड़ी तबीयत

# पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को कार्डियक अटैक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। पूर्व IPS अमिताभ ठाकुर को कार्डियक अटैक पड़ा है। SGPGI की कार्डियोलॉजिस्ट डिपार्टमेंट के सूत्रों के मुताबिक, बुधवार रात गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज से उन्हें लखनऊ रेफर किया गया था। लखनऊ लाते समय रास्ते में ही उनकी तबीयत खराब हुई। इसके बाद उन्हें सीपीआर देते हुए रात करीब 1 बजे SGPGI के कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट में भर्ती कराया गया। इस मामले को लेकर डिपार्टमेंट में कोई बात करने को अभी तैयार नहीं है। डॉक्टरों की निगरानी में अमिताभ ठाकुर का इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है की हालत स्थिर नहीं है। इसलिए किसी को भी वहां जाने की परमिशन नहीं है। दरअसल, देवरिया जेल में

मंगलवार देर रात अमिताभ ठाकुर की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। सीने में तेज दर्द और बेचैनी की शिकायत के बाद पहले उन्हें देवरिया मेडिकल कॉलेज, फिर गोरखपुर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। स्थिति गंभीर होने पर लखनऊ भेजा गया। इसी बीच, अमिताभ ठाकुर की ओर से रिमांड कैंसिल करने के लिए बुधवार को दी गई अर्जी CJM मंजू कुमारी ने खारिज कर दी। अब उन्हें 21 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में रहना होगा। अमिताभ ठाकुर ने अगस्त, 2021 में नई राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा की। इसके बाद उन्होंने अपनी राजनीतिक पार्टी आजाद अधिकार सेना बनाई। वह खुद इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, जबकि पत्नी नूतन ठाकुर प्रवक्ता हैं। अमिताभ ठाकुर ने 2022 में मुख्यमंत्री योगी के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। तब उन्होंने सीएम योगी पर हमला करते हुए आरोप लगाए थे कि उनके कार्यकाल में तमाम अलोकतांत्रिक, अराजक, दमनकारी काम हुए। इसके विरोध में वह मुख्यमंत्री के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। हालांकि, बाद में उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा था। 2024 में संत कबीर नगर में एक प्रेसवार्ता कर आरोप लगाया था।

### अजय राय ने दावा किया था- अमिताभ ठाकुर की हालत नाजुक

चार दिन पहले यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने अमिताभ ठाकुर का एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने दावा किया था कि जेल में भी अमिताभ ठाकुर के साथ बदसलूकी और उत्पीड़न जारी है। उनकी हालत बेहद नाजुक हो गई है और उनकी जान को खतरा बना हुआ है, लेकिन सत्ता और सिस्टम खामोश हैं।

### 2021 में पहली बार गए अमिताभ ठाकुर जेल गए

- घोसी से बसपा सांसद अतुल राय पर रेप का आरोप लगाने वाली पीड़िता और उसके साथी ने 16 अक्टूबर, 2021 को सुप्रीम कोर्ट के बाहर आग लगा ली थी। बाद में इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई थी।
- आत्महत्या से पहले फेसबुक लाइव पर दोनों ने एसएसपी अमित पाठक, सीओ अमरेश सिंह, दरोगा संजय राय, उनके बेटे विवेक राय और पूर्व आईजी अमिताभ ठाकुर पर उत्पीड़न का आरोप लगाया था।
- अमिताभ ठाकुर पर आरोप था कि वे मुख्तार अंसारी के कहने पर अतुल राय को बचाने के लिए पीड़िता के खिलाफ तमाम दस्तावेज जारी कर उसे बदनाम करने की कोशिश कर रहे थे। इस मामले में यूपी सरकार ने एसआईटी बनाकर जांच कराई थी।
- एसआईटी ने जांच रिपोर्ट में बताया था कि बलात्कार पीड़िता ने 10 नवंबर, 2020 को एसएसपी वाराणसी को एक पत्र दिया था। जिसमें उसने अमिताभ ठाकुर पर बसपा सांसद अतुल राय से अदालत में झूठे सबूत गढ़ने के लिए पैसे लेने का आरोप लगाया था।
- इसी कारण उसे आत्मदाह करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस रिपोर्ट के आधार पर पहली बार अमिताभ ठाकुर पर सुसाइड करने के लिए मजबूर करने का प्रकरण दर्ज हुआ। उनकी गिरफ्तारी भी हुई थी। तब वह 8 महीने जेल में रहे।

## फास्ट न्यूज

### युवक को डिवाइडर पर गिराकर लातें मारीं

लखनऊ। लखनऊ के गुडंबा स्थित कुर्सी रोड इलाके में पार्टी के बाद जमकर बवाल हुआ। बताया जा रहा है कि कुछ लोगों ने एक युवक को जमकर पीटा। पहले उसकी गाड़ी रुकवाई फिर गरा दिया। उसके बाद हाथ-पैर बांधकर कई लातें मारीं। वीडियो काफी दूर से रिकॉर्ड हुआ इसलिए इसमें कुछ स्पष्ट दिखाई नहीं जा रहा है। हालांकि, दावा किया जा रहा है।

### लखनऊ दर्शन बस को पहले दिन 24 पर्यटक मिले

लखनऊ। लखनऊ दर्शन बस से पहले दिन 24 लोगों ने पर्यटन स्थलों की सैर की। बस ने दो चक्कर लगाए। इसमें सुबह 10 और शाम को 14 यात्री थे। यात्रा में पर्यटक काफी खुश नजर आए। उन्हें एक ही पैकेज में 3 प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों की सैर का मौका मिला। इसमें विधानसभा और रेजिडेंसी भी शामिल हैं। पर्यटकों को पहली बार विधानसभा के अंदर भी जाने का मौका मिला। पर्यटकों ने बताया कि- बस से यात्रा करके लगा कि टिकट का फुल पैसा वसूल हो गया।

### चारबाग बस अड्डे पर निर्माण, जाम लगा

लखनऊ। लखनऊ के चारबाग रोडवेज बस अड्डा पर चल रहे निर्माण कार्य ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। बस अड्डे के चारों ओर रास्ते बंद कर दिए गए हैं, जिससे बसों के प्रवेश और निकास की व्यवस्था ठप हो गई है। हालात यह हैं कि बसों को मजबूरी में सड़क के दोनों किनारों पर खड़ा किया जा रहा है, जिसके कारण चारबाग और आसपास के इलाकों में भीषण जाम की स्थिति बन गई है।

## केजीएमयू में जांच कमेटी ने रमीजुद्दीन नाइक को दोषी माना

### विशाखा कमेटी ने कुलपति को भेजी रिपोर्ट, निरस्त हो सकता है दाखिला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यौन शोषण और धर्मांतरण के प्रयास के आरोपी निलंबित रेजिडेंट डॉक्टर रमीजुद्दीन नाइक उर्फ रमीज मलिक को बहुत जल्द अब KGMU से निष्कासित किया जा सकता है। बुधवार को मेडिकल यूनिवर्सिटी की तरफ से बनाई गई ICC यानी विशाखा कमेटी ने जांच रिपोर्ट कुलपति को सौंप दी। इसमें आरोपी रेजिडेंट डॉक्टर दोषी पाया गया है। रिपोर्ट के आधार पर आरोपी रेजिडेंट का दाखिला भी रद्द किया जा सकता है। पैथोलॉजी विभाग के रेजिडेंट डॉक्टर रमीज पर उसी के विभाग की एक महिला डॉक्टर ने यौन शोषण और शादी के लिए धर्म बदलने के लिए दबाव बनाने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़ित महिला रेजिडेंट डॉक्टर ने KGMU की विशाखा कमेटी से शिकायत की थी। 7 सदस्यीय विशाखा

कमेटी ने करीब 15 दिन में जांच पूरी की। बयान और सुबूतों के आधार पर आरोपी रेजिडेंट डॉक्टर को दोषी करार दिया गया है। जांच रिपोर्ट के विभिन्न पहलुओं का KGMU प्रशासन अध्ययन कर रहा है। इसके बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी रेजिडेंट डॉक्टर का दाखिला रद्द करने की सिफारिश की जा सकती है। इस पर बैठक में मंथन हुआ है। एक-दो दिन में फैसला होगा। आरोपी का नीट पीजी के जरिए KGMU में एमडी पैथोलॉजी विभाग में दाखिला हुआ था।

### टैक्स कलेक्शन में लापरवाही, नगर आयुक्त बोले- कलेक्शन बढ़ेगा तो सैलरी मिलेगी

## लखनऊ नगर निगम के 26 कर्मचारियों का वेतन रोका

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में टैक्स कलेक्शन में लापरवाही बरतने पर नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बड़ा एक्शन लिया है। उन्होंने कार्रवाई करते हुए 7 जोनल अधिकारियों के वेतन रोक दिए हैं। इसके साथ ही 19 टीएस और आरआई के वेतन रोके गए हैं। गुरुवार को नगर आयुक्त ने अचानक टैक्स कलेक्शन की समीक्षा बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की। इसमें कई कर्मचारी देरी से जुड़े और कई लोग फील्ड में एक्टिव नहीं मिले। ऐसे में इन कर्मचारियों की सूची बनाकर इनको नोटिस जारी करने के साथ में इनका वेतन रोकने का निर्देश नगर आयुक्त ने दिया। उन्होंने कहा- प्रतिदिन करीब 1 करोड़ रुपए सभी जोन टैक्स कलेक्शन कर रहे हैं। इसे

बढ़ाकर 2 करोड़ रुपए करना है। नगर आयुक्त ने यह भी कहा कि नगर निगम का टैक्स कलेक्शन बढ़ाना न केवल राजस्व की दृष्टि से आवश्यक है बल्कि इससे नगर निगम की सेवाओं का विस्तार और बेहतर संचालन भी संभव होगा। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की कि वे अपने कार्यक्षेत्र में पूरी गंभीरता और तत्परता के साथ काम करें, ताकि निगम को निर्धारित लक्ष्य हासिल हो। विशेषज्ञों का मानना है कि नगर आयुक्त द्वारा इस तरह की सख्त कार्रवाई से निगम के कर्मचारियों में जवाबदेही और कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

### जोनल अधिकारियों की सैलरी होगी रिलीज

नगर निगम की बैठक में तय हुआ कि जब तक जोन में टैक्स कलेक्शन नहीं बढ़ेगा। तब तक जोनल अधिकारियों की सैलरी रिलीज नहीं की जाएगी। जोन 1,2,3,5,6,7,8 के अधिकारियों का वेतन रुका है। इन्हें तुरंत टैक्स कलेक्शन बढ़ाने का भी निर्देश है।

### 62 करोड़ रुपए अधिक टैक्स कलेक्शन

नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया- इस फाइनेंशियल ईयर में 3 महीने बचे हैं। ऐसे में नगर निगम ने पिछले साल की तुलना में अभी तक 62 करोड़ रुपए अधिक टैक्स कलेक्शन किया है, लेकिन यह पिछले साल से 100 करोड़ रुपए से अधिक रहना चाहिए। इसका लक्ष्य दिया गया है। इसमें लापरवाही होने पर जोनल अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। वह तय करें कि उनके जोन में कैसे टैक्स कलेक्शन बढ़ेगा। इन्हीं अधिकारियों को अपने जोन का टैक्स कलेक्शन बढ़ाने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करनी है।

### काकोरी में किसान की भैंस चोरी

दुबग्गा। लखनऊ के काकोरी क्षेत्र के ग्राम भलिया में एक किसान के बाढ़े से भैंस चोरी का मामला सामने आया है। बुधवार तड़के अज्ञात चोरों ने घर के बाहर बंधी भैंस को वाहन में लादकर फरार हो गए। पीड़ित किसान ने चोरों का पीछा किया और उनके वाहन का नंबर भी नोट कर लिया। जानकारी के अनुसार, ग्राम भलिया के रहने वाले आशीष सिंह के घर 8 जनवरी की सुबह लगभग तीन बजे यह घटना हुई। घर के बाहर बंधी भैंस को अज्ञात लोग एक गाड़ी में लादने लगे। भैंस के हिलने-डुलने और आवाज होने पर आशीष सिंह की नींद खुल गई। शोर सुनकर जब आशीष सिंह बाहर निकले, तब तक चोर भैंस को वाहन में लादकर भागने लगे थे। उन्होंने टॉर्च जलाकर चोरों का पीछा किया और इस दौरान उन्हें चोरों की गाड़ी का नंबर दिखाई दिया। हालांकि, अधिक अंधेरा होने के कारण चोर मौके से फरार होने में सफल रहे।

## ला मार्टिनियर, सीएमएस और जयपुरिया को हाईकोर्ट का नोटिस

### स्कूलों के बाहर लगने वाले जाम पर कोर्ट सख्त, प्रिंसिपल और अधिकारी तलब

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने शहर के छह प्रतिष्ठित स्कूलों के प्रिंसिपल या प्रशासनिक अधिकारियों को तलब किया है। इन स्कूलों पर आरोप है कि वे अपने परिसरों के बाहर लगने वाले यातायात जाम की समस्या को दूर करने में सहयोग नहीं कर रहे हैं। न्यायालय ने उन्हें उपस्थित होकर यह बताने को कहा है कि उन्होंने यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए क्या कदम उठाए हैं। जिन स्कूलों को नोटिस जारी किया गया है उनमें ला मार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज हजरतगंज, लोरेटो कॉन्वेंट गौतमपल्ली, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल विशाल खंड, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल गोमतीनगर एक्सटेंशन, सिटी मॉन्टेसरी स्कूल स्टेशन रोड और सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल गोमतीनगर शामिल हैं। मामले की

अगली सुनवाई 19 जनवरी को निर्धारित की गई है। यह आदेश न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने वर्ष 2020 में गोमती रिवर बैंक रेजीडेंट्स की ओर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया है। इस याचिका में विशेष रूप से आवासीय क्षेत्रों में संचालित स्कूलों के कारण होने वाली यातायात समस्याओं को उठाया गया था। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि संस्थानों को अपनी यातायात व्यवस्था में सुधार करने और सुझाव देने का अवसर दिया जा रहा है। यदि वे इसमें असफल रहते हैं, तो कोर्ट की ओर आवश्यक निर्देश पारित किए जाएंगे। न्याय मित्र ने न्यायालय को उन संस्थानों के बारे में सूचित किया था।

## विद्यालयों में न्यूज़ पेपर रीडिंग अनिवार्य

### छात्रों के भाषाई और तार्किक कौशल पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अध्यक्ष, बीओसीडब्ल्यू कल्याण बोर्ड एवं प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन विभाग डॉ. एम.के. शन्मुगा सुन्दरम ने विद्यालयों में नियमित समाचार पत्र पठन की संस्कृति विकसित करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पाठ्यक्रम की पढ़ाई के साथ-साथ सामान्य ज्ञान, भाषाई पकड़ और आलोचनात्मक सोच को भी सशक्त करना जरूरी है। डॉ. शन्मुगा सुन्दरम ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं और व्यावहारिक जीवन के लिए तैयार करने हेतु नियमित रूप से समाचार पत्र पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। इससे विद्यार्थियों में जनरल अवेयर-नेस के साथ-साथ तार्किक सोच और भाषा पर पकड़ मजबूत होगी। उन्होंने

#### *विद्यालय पुस्तकालयों में हिंदी-अंग्रेजी अखबार अनिवार्य*

*प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि प्रत्येक विद्यालय के पुस्तकालय में प्रतिष्ठित और उच्च गुणवत्ता वाले हिंदी एवं अंग्रेजी समाचार पत्र नियमित रूप से उपलब्ध कराए जाएं। विद्यार्थियों को केवल सामान्य समाचार ही नहीं, बल्कि विज्ञान, अर्थव्यवस्था, नवीन विकास और खेल से जुड़े विषयों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाए।*

बताया कि इस संबंध में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 23 दिसंबर 2025 को विस्तृत निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं।

### कनिष्ठ छात्रों के लिए स्क्रैपबुक और रचनात्मक गतिविधियां

जूनियर वर्ग के छात्रों के लिए विज्ञान, पर्यावरण और खेल जैसे विषयों पर आधारित न्यूज क्लिपिंग स्क्रैपबुक तैयार कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उनमें रचनात्मकता और विषयगत समझ विकसित हो सके। मानसिक विकास और प्रतिस्पर्धात्मक कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से समाचार पत्रों में प्रकाशित सुडोकू, शब्द पहेली और ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी पर आधारित प्रतियोगिताएं समय-समय पर आयोजित करने को कहा गया है।

### 'आज का सुविचार' और संपादकीय चर्चा पर जोर

विद्यालय के मुख्य डिस्प्ले बोर्ड पर 'आज का सुविचार' अनिवार्य रूप से अंकित करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों के लिए सप्ताह में एक बार संपादकीय लेखों पर आधारित मौलिक लेखन या समूह चर्चा आयोजित करने को कहा गया है। डॉ. शन्मुगा सुन्दरम ने विद्यार्थियों को समाचार पत्रों की संरचना और प्रस्तुतीकरण से प्रेरणा लेकर अपने विद्यालय की त्रैमासिक समाचार पत्र या पत्रिका तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। इसका संपादन विद्यार्थियों की टीम द्वारा किया जाएगा, जिसमें विद्यालय की गतिविधियों और उपलब्धियों को समाचार के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

**कार्रवाई :** अगर सरेंडर नहीं किया तो कुर्की होगी, लखनऊ पुलिस ने 3 ठिकानों पर की कार्रवाई

## लव जिहाद के आरोपी डॉक्टर के घरों पर नोटिस चिपकाया

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ KGMU में लव जिहाद के आरोपी रेजिडेंट डॉक्टर रमीजुद्दीन के खिलाफ पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई शुरू कर दी है। बुधवार को लखनऊ, पीलीभीत और उत्तराखंड में उसके तीन ठिकानों पर कुर्की के नोटिस चस्पा किए गए। चौक पुलिस की टीमें लखनऊ के हुसैनाबाद स्थित फ्लैट, पीलीभीत के न्यूरिया स्थित पैतृक आवास और उत्तराखंड के खटीमा स्थित मकान पर पहुंचीं। तीनों जगहों पर कुर्की के नोटिस लगाए गए। पुलिस ने पीलीभीत और उत्तराखंड पुलिस से आरोपी की संपत्तियों का पूरा ब्योरा भी जुटाया। पुलिस का कहना है कि आरोपी रमीज लगातार फरार चल रहा है। यदि वह तय समय के भीतर सरेंडर नहीं करता है तो उसकी संपत्तियों को कुर्क किया

जाएगा। लखनऊ पुलिस की तीन टीमें उत्तराखंड, शाहजहांपुर, नोएडा और दिल्ली में आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही हैं। डीसीपी लखनऊ पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने पीलीभीत और खटीमा के पुलिस अधिकारियों से बात कर पूरे मामले से अवगत कराया और हर सुराग साझा करने को कहा। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि महिला डॉक्टर को न्यूरिया स्थित घर ले जाया गया था या नहीं, क्योंकि पीड़िता ने अपने बयान में पीलीभीत में धर्मांतरण और निकाह होने की बात कही है। जांच रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि आरोपी डॉक्टर ने पीड़िता को आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की धमकी दी थी।

### काजी और गवाह भी पुलिस की रडार पर

धर्मांतरण कराकर निकाह कराने वाले काजी और एक गवाह की भूमिका भी जांच के घेरे में है। इनकी तलाश में पीलीभीत के सदर और फीलखाना मोहल्ले में छापेमारी की गई। पुलिस ने परिजनों और रिश्तेदारों से पूछताछ कर कई अहम जानकारियां जुटाई हैं। आरोपी डॉक्टर पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित है और पुलिस उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

### न्यूरिया में घर पर नोटिस, रिश्तेदार से पूछताछ

पीलीभीत के न्यूरिया स्थित पैतृक आवास पर नोटिस चस्पा करने के दौरान पुलिस ने एक रिश्तेदार को हिरासत में लेकर करीब दो घंटे तक पूछताछ की। पूछताछ में रिश्तेदार ने बताया कि घर उसे सौंप दिया गया था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि रमीज ने आगरा की महिला डॉक्टर से निकाह करने के लिए कूटरचित दस्तावेज तैयार किए थे। पुलिस अब उन दस्तावेजों की गहन जांच कर रही है।

- पुलिस की टीमों ने नोटिस चिपकाकर कुर्की का अल्टीमेटम दिया है।

इसके अलावा शादी की बात छिपाने और धर्मांतरण के लिए दबाव बनाने जैसे गंभीर आरोपों की भी पुष्टि हुई है। पूरे मामले से KGMU की छवि को नुकसान पहुंचा है। सूत्रों का कहना है कि विशाखा कमेटी डॉक्टर रमीज मलिक के खिलाफ कड़ी सिफारिश कर सकती है।

## सरोजनी नगर में हाइडिल नहर चौराहा बंद करने का विरोध

### व्यापारियों ने पीएनसी का डिवाइडर निर्माण कार्य रुकवाया

- प्रदर्शनकारियों ने एनएचएआई अधिकारियों से वार्ता होने तक निर्माण कार्य रोकने की मांग की।
- स्थानीय लोगों ने कहा- चौराहे को बंद करना जनहित के खिलाफ है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में हाइडिल नहर चौराहे को बंद किए जाने के विरोध में गुरुवार शाम व्यापारियों और आम जनता ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर डिवाइडर बनाने का कार्य रुकवा दिया और इसे तत्काल स्थगित करने की मांग की। सरोजनी नगर के कानपुर रोड स्थित यह चौराहा वर्षों से चालू है। स्थानीय लोगों और

व्यापारियों का कहना है कि इसके बंद होने से उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। व्यापारियों ने बताया कि यह चौराहा लगभग 10 वर्ष पूर्व एनएचएआई द्वारा जनता और व्यापारियों की मांग पर स्वीकृत किया गया था, और इसे बंद करना जनहित के खिलाफ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, अमौसी रेलवे स्टेशन की ओर से आने-जाने वाले नागरिक इसी चौराहे के माध्यम से हीरालाल नगर, विष्णु नगर कॉलोनी, नटकुर और बिजनौर रोड की ओर आवागमन करते हैं। इसके अतिरिक्त, अमौसी गांव, हिंदू खेड़ा तथा अमौसी रेलवे स्टेशन से गौरी बाजार जाने वाले लोग भी इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। स्कूटर इंडिया चौराहे और आलमबाग की दिशा से आने वाले वाहनों के लिए भी यह चौराहा महत्वपूर्ण है। गुरुवार को लखनऊ-कानपुर एलिवेटेड रोड का निर्माण कर रही पीएनसी कंपनी द्वारा इस चौराहे को बंद करने के उद्देश्य से कानपुर रोड पर डिवाइडर बनाने का कार्य शुरू किया गया था। इसकी जानकारी मिलते ही उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों व्यापारी और स्थानीय नागरिक मौके पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन करने लगे। जन आक्रोश को देखते हुए।

# मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की समीक्षा

## लंबित और निरस्त आवेदनों के निस्तारण पर जोर, पात्र युवाओं को लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश

**बैठक**

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की प्रगति को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में योजना की बैंकवार प्रगति का गहन मूल्यांकन किया और लंबित व निरस्त आवेदनों की संख्या पर असंतोष जताया। उन्होंने संबंधित विभागों और बैंकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पात्र युवाओं को किसी भी स्थिति में योजना से वंचित न रखा जाए और सभी प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक, उपायुक्त उद्योग, जिला विकास अधिकारी, उपनिदेशक कृषि, सहायक आयुक्त उद्योग सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। समीक्षा के दौरान आवेदन स्वीकृति, निरस्तीकरण और लंबित मामलों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने सभी बैंकर्स को अपने-अपने शाखा स्तर पर लंबित आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शाखा में लंबित मामलों की नियमित समीक्षा की जाए और हर प्रकरण का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही बैंक और उद्योग विभाग के बीच बेहतर समन्वय पर भी जोर दिया गया।

**66 जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री युवा योजना सरकार की प्राथमिक और महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल है। इसका सीधा लाभ जिले के युवाओं को मिलना चाहिए। उन्होंने आगामी समीक्षा बैठक से पहले बैंकवार प्रगति में ठोस सुधार लाने के निर्देश दिए। साथ ही पात्र युवाओं को समय पर ऋण स्वीकृत कराकर उसका वितरण सुनिश्चित करने को कहा।**

### 4706 आवेदन, 667 अब भी लंबित

उपायुक्त उद्योग ने बताया कि जनपद में सीएम युवा योजना के अंतर्गत कुल 4706 आवेदन विभिन्न बैंकों को भेजे गए हैं। इनमें से 1792 आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं, जबकि 2535 आवेदन बैंक स्तर पर निरस्त कर दिए गए हैं। इसके अलावा 667 आवेदन अभी भी बैंकों में लंबित हैं। लंबित आवेदनों की संख्या पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और इसे योजना की मंशा के विपरीत बताया।

### तकनीकी कारणों से पात्र युवा न हों वंचित

जिलाधिकारी ने कहा कि योजना का उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है। ऐसे में तकनीकी कारणों या अनावश्यक विलंब के चलते किसी भी पात्र आवेदक को लाभ से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी बैंक लंबित प्रकरणों की तत्काल समीक्षा करें और स्पष्ट कारणों के साथ उनका निस्तारण करें।

### निरस्त आवेदनों की होगी दोबारा जांच

बैठक में बैंकवार नामित नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन आवेदनों को निरस्त किया गया है, उनका पुनः परीक्षण किया जाए। यदि कोई आवेदक नियमानुसार पात्र पाया जाता है, तो उसे पुनः आवेदन की प्रक्रिया में सहयोग कर योजना का लाभ दिलाया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि निरस्तीकरण अंतिम विकल्प होना चाहिए और पहले सभी संभावनाओं की जांच की जाए।

# त्रिस्तरीय पंचायतों की मतदाता सूची का वृहद पुनरीक्षण

## 7 जनवरी से 28 मार्च तक चरणबद्ध कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। भारत निर्वाचन आयोग/राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ की संशोधित अधिसूचना के अनुपालन में जनपद अम्बेडकरनगर में त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। जिला प्रशासन के अनुसार यह पूरी प्रक्रिया निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार चरणबद्ध ढंग से कराई जाएगी, जिससे मतदाता सूचियां त्रुटिरहित, अद्यतन और पारदर्शी बन सकें। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) के अनुसार वृहद पुनरीक्षण के अंतर्गत दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण के बाद हस्तलिखित पांडुलिपियां तैयार की जाएंगी। इन्हें सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा कराया जाएगा। इसी अवधि में संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं के

सत्यापन एवं निस्तारण की कार्यवाही भी संपन्न की जाएगी। यह चरण 7 जनवरी 2026 से 20 फरवरी 2026 तक चलेगा। दावे और आपत्तियों के निस्तारण के बाद अगले चरण में पूरक मतदाता सूचियों की कम्प्यूट-रीकृत तैयारी की जाएगी। इन पूरक सूचियों को मूल निर्वाचक नामावली में यथास्थान समाहित किया जाएगा। इसके साथ ही आवश्यकता अनुसार मतदान केन्द्रों और मतदान स्थलों के निर्धारण की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी। यह कार्यवाही 21 फरवरी 2026 से 16 मार्च 2026 तक प्रस्तावित है।

**फास्ट न्यूज**

### ठंड में जरूरतमंदों को भगवान बिरसा मुंडा फाउंडेशन ने राहत पहुंचाई

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। कड़ाके की ठंड के बीच जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से भगवान बिरसा मुंडा फाउंडेशन की ओर से ग्राम सुल्तानपुर तुलसीपुर स्थित थारू बस्ती, बरियावन में सहायता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बस्ती की महिलाओं को 351 गर्म साल के साथ मीठा वितरित किया गया।

### कड़ाके की ठंड के चलते 10 जनवरी तक विद्यालयों में अवकाश

अम्बेडकरनगर। जनपद में लगातार बढ़ रही ठंड और शीतलहर को देखते हुए जिला प्रशासन ने विद्यालयों में अवकाश की अवधि बढ़ा दी है। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला के आदेश के अनुपालन में कक्षा एक से 12 तक के समस्त विद्यालयों में 10 जनवरी तक अवकाश घोषित किया गया है। यह आदेश जनपद के सभी शैक्षणिक संस्थानों पर समान रूप से लागू होगा। अशासकीय सहायता प्राप्त एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों के साथ-साथ सीबीएसई, आईसीएसई, संस्कृत बोर्ड, मदरसा बोर्ड एवं अन्य सभी बोर्डों से संचालित विद्यालयों पर लागू रहेगा।

### विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन

अम्बेडकरनगर। जिले के अकबरपुर नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर एक विशेष विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम बीएन इंटर कॉलेज के प्रांगण में 9 जनवरी को अपराह्न 1 बजे से 3 बजे तक आयोजित होगा। सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक अनिल का मुख्य उद्बोधन और मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

# रिज़र्व पुलिस लाइन में रिक्रूट आरक्षियों के साथ एएसपी पूर्वी की बैठक

## प्रशिक्षण व्यवस्था का लिया फीडबैक

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में पुलिस प्रशिक्षण व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बुधवार देर शाम रिज़र्व पुलिस लाइन में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्याम देव ने रिक्रूट आरक्षियों के साथ बैठक की। गणना के दौरान आयोजित इस बैठक में एएसपी पूर्वी ने प्रशिक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर संवाद करते हुए रिक्रूट आरक्षियों से सीधे फीडबैक प्राप्त किया। बैठक का उद्देश्य प्रशिक्षण की गुणवत्ता, अनुशासन, दैनिक अभ्यास, शारीरिक प्रशिक्षण, परेड, ड्रिल और कक्षा आधारित शिक्षण की स्थिति का आकलन करना रहा। एएसपी पूर्वी ने रिक्रूट आरक्षियों से प्रशिक्षण के दौरान आने वाली कठिनाइयों, सुविधाओं की उपलब्धता और सुधार की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। बैठक में एएसपी पूर्वी ने रिक्रूट आरक्षियों को अनुशासन, समयपालन और आचरण के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि पुलिस बल की पहचान उसकी वर्दी से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार और कार्यशैली से होती है। प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई आदतें ही फील्ड में कार्य के दौरान दिखाई देती हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण अवधि में प्रत्येक रिक्रूट अपने शारीरिक और मानसिक स्तर को मजबूत करने पर ध्यान दे। नियमित अभ्यास, फिटनेस और कानून संबंधी जानकारी को गंभीरता से लें, ताकि भविष्य में ड्यूटी के दौरान किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

**66 एएसपी पूर्वी ने कहा कि रिक्रूट प्रशिक्षण पुलिस सेवा की नींव होता है। इसी प्रशिक्षण के आधार पर भविष्य में पुलिसकर्मियों का आचरण, कार्यशैली और जिम्मेदारी तय होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण में किसी भी स्तर पर कमी स्वीकार्य नहीं है। फीडबैक के माध्यम से सामने आई समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाएगा।**

### प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर विशेष फोकस

बैठक के दौरान रिक्रूट आरक्षियों ने प्रशिक्षण से संबंधित अपने अनुभव साझा किए। कुछ रिक्रूट्स ने शारीरिक प्रशिक्षण, समय प्रबंधन और अभ्यास की तीव्रता को लेकर सुझाव दिए, वहीं अन्य ने कक्षाओं की उपयोगिता और विषयवस्तु पर अपनी राय रखी। एएसपी पूर्वी ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना।

# मैनपुरी हॉस्टल ने झांसी को 85 रनों से हराया, क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

## स्वर्गीय सूर्यपाल वर्मा राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट में हैदर की नाबाद 60 रनों की पारी रही अहम

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। स्वर्गीय सूर्यपाल वर्मा राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट के आठवें दिन मैनपुरी हॉस्टल ने झांसी को 85 रनों से पराजित कर अपने अभियान की गति बनाए रखी। टूर्नामेंट के इस मुकाबले का आयोजन जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में हुआ। आज के मैच के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख गौरव सिंह बीच मैदान पर पहुंचे और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इसके पहले उन्होंने स्वर्गीय सूर्यपाल वर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करते हुए मैनपुरी हॉस्टल ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 193 रन का विशाल स्कोर बनाया। टीम के सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए हैदर ने

ताबड़तोड़ अंदाज में 60 रन की नाबाद पारी खेली। हैदर और शिवपूजन के बीच दसवें विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। इस मैच में शिवम ने 35 और आदित्य ने 20 रन का योगदान दिया। झांसी के गेंदबाजों में अंश, गौतम और अनिरुद्ध ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि सैफ और ओम ने 1-1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी झांसी की टीम शुरुआत से ही संघर्ष करती रही। नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से कोई भी बल्लेबाज लंबे समय तक पिच पर टिक नहीं पाया। पूरी टीम 15.2 ओवर में 108 रन पर सिमट गई। झांसी की ओर से अनमोल ने 31 रनों की साहसिक पारी खेली, लेकिन यह टीम को जीत नहीं दिला सकी। मैनपुरी हॉस्टल की गेंदबाजी भी प्रभावशाली रही। शिवपूजन ने स्पिन गेंदबाजी के जरिए 6 विकेट चटकाए, जबकि सीताराम ने 2 विकेट हासिल किए। इस जीत के साथ मैनपुरी हॉस्टल क्वार्टर फाइनल की ओर बढ़ गया है। पहला क्वार्टर फाइनल 10 जनवरी को नेपाल और मैनपुरी हॉस्टल के बीच खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कल कोई मैच आयोजित नहीं किया जाएगा। मैच में आनंद सिंह और संदीप वर्मा ने एम्पायर के रूप में निर्णायक भूमिका निभाई। कमेंटेटरों अजय श्रीवास्तव और डॉ. सैयद मोहम्मद बाकिर ने हर पल की जानकारी दर्शकों तक पहुंचाई।

# टांडा की अनुष्का सिंह ने बीएसएफ प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया

## कठोर परिश्रम और अनुशासन से सीमा सुरक्षा बल में चयन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के टांडा क्षेत्र से जुड़ी एक उपलब्धि ने क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। मीरानपुरा, टांडा निवासी अनुष्का सिंह ने कठोर शारीरिक परिश्रम और अनुशासित तैयारी के बल पर सीमा सुरक्षा बल में चयनित होकर प्रशिक्षण सफलतापू-र्वक पूर्ण कर लिया है। वर्तमान में वे देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए तैनाती को पूर्ण रूप से तैयार हैं। अनुष्का सिंह सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्र में सक्रिय दिनेश नारायण सिंह की पुत्री हैं। उनका चयन सीमा सुरक्षा बल में जनरल ड्यूटी के पद पर हुआ है। चयन के उपरांत उन्हें एक वर्ष के प्रशिक्षण के लिए पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी स्थित बीएसएफ प्रशिक्षण केंद्र बैकुंठपुर भेजा गया, जहां उन्होंने कठिन शारीरिक अभ्यास के साथ-साथ हथियारों और शस्त्र संचालन का

विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण अवधि के दौरान अनुष्का को लंबी दौड़, हथियार प्रशिक्षण, युद्धाभ्यास, अनुशासन और सामरिक गतिविधियों से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। बीएसएफ के प्रशिक्षण केंद्र में शारीरिक और मानसिक मजबूती पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसे अनुष्का ने सफलतापूर्वक पूरा किया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के साथ ही वे अब देश की सीमाओं की रक्षा के दायित्व को निभाने के लिए तैयार हैं। अनुष्का सिंह ने बताया कि उन्हें बचपन से ही परिवार में देशभक्ति के संस्कार मिले। उनके दादा स्वर्गीय बाबा हनुमान सिंह स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े रहे और आजीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक रहे। पिता दिनेश नारायण सिंह शिक्षक होने के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। इसी पारिवारिक वातावरण ने उन्हें राष्ट्र सेवा की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अनुष्का की प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने बीएससी की पढ़ाई के दौरान एनसीसी में सक्रिय सहभागिता की और सी सर्टिफिकेट प्राप्त किया। इसके बाद बीएनकेबी पीजी कॉलेज, अकबरपुर से बीएड प्रथम वर्ष उत्तीर्ण किया। शिक्षा के साथ अनुशासन और प्रशिक्षण के इस संतुलन ने उन्हें बीएसएफ चयन की कठिन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पार करने में मदद की।

### पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर व्यवसायिक वाहनों और ट्रैक्टर-ट्रालियों के चालकों को जागरूक किया

# राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत विशेष अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत प्रदेश में 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को अम्बेडकर-नगर जनपद में परिवहन विभाग और प्रवर्तन टीम की ओर से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर व्यापक जागरूकता एवं चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान व्यवसायिक वाहनों और ट्रैक्टर-ट्रालियों के चालकों को सड़क सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक किया गया। प्रवर्तन चेकिंग के दौरान वाहन स्वामियों और चालकों से अपील की गई कि कोहरे में वाहन चलाते समय अत्यंत धीमी गति रखें। एक ही लेन में वाहन चलाने, अनावश्यक ओवरटेक न

करने और सड़क के बीच खड़े खराब वाहनों से सतर्क रहने की सलाह दी गई। चालकों को यह भी बताया गया कि कोहरे में खिड़की का शीशा थोड़ा खुला रखने से आसपास की आवाजें सुनने में मदद मिलती है। अभियान के दौरान कृषक बंधुओं से भी विशेष अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि ट्रैक्टर-ट्राली के पीछे लाल रंग का रेट्रो सिलेक्टिव टेप अवश्य लगवाएं ताकि रात और कोहरे में पीछे से आने वाले वाहन समय रहते सतर्क हो सकें। ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यह उपाय जरूरी बताया गया।

### दोस्तपुर टोल प्लाजा के पास चला विशेष अभियान

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर दोस्तपुर टोल प्लाजा के समीप वाहन चालकों को पंपलेट वितरित कर सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी गई। कोहरे के मौसम को देखते हुए चालकों को विशेष सावधानी बरतने, लेन ड्राइविंग का पालन करने और ओवर-स्पीडिंग से बचने के निर्देश दिए गए। प्रवर्तन टीम ने मौके पर वाहन चालकों को प्रशिक्षण देते हुए सुरक्षित ड्राइविंग के उपाय बताए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कोहरे में दृश्यता कम होने के कारण पीछे से आने वाले वाहनों के लिए यह सुरक्षा उपकरण अत्यंत आवश्यक हैं।

### 29 वाहनों का चालान, 3 वाहन निरुद्ध

प्रवर्तन कार्यवाही के अंतर्गत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 29 वाहनों का चालान किया गया। वहीं, गंभीर खामियां पाए जाने पर 3 वाहनों को निरुद्ध किया गया। ओवरलोड वाहनों के संचालन पर सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया गया कि किसी भी स्थिति में ओवरलोड वाहन सड़क पर नहीं चलने दिए जाएंगे।

**आयोजन : फरियादियों की समस्याएं सुनकर त्वरित निस्तारण के निर्देश**

# पुलिस कार्यालय में एसपी ने की जनसुनवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ रखने और आमजन की समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से गुरुवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर ने जनसुनवाई के दौरान कार्यालय पहुंचे फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और प्रत्येक प्रकरण के निष्पक्ष एवं न्यायोचित निस्तारण का भरोसा दिलाया। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों ने भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी, विवेचना में विलंब और पुलिस से जुड़ी अन्य समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए। पुलिस अधीक्षक ने सभी

शिकायतों को क्रमवार सुना और संबंधित प्रकरणों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन मामलों में जांच लंबित है, वहां निष्पक्ष और पारदर्शी विवेचना कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। वहीं, जिन मामलों में आपसी विवाद की संभावना है, उनमें दोनों पक्षों को सुनते हुए विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी प्रकरण में पुलिसकर्मी की लापरवाही या अनुचित व्यवहार सामने आता है, तो संबंधित के विरुद्ध आवश्यक विभागीय कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनसुनवाई पुलिस और आमजन के बीच संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। इससे न केवल शिकायतों का समाधान होता है, बल्कि पुलिस की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता भी आती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फरियादियों के साथ संवेदनशील व्यवहार किया जाए और उनकी बातों को गंभीरता से सुना जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कानून के दायरे में रहते हुए हर पीड़ित को न्याय दिलाना पुलिस का दायित्व है। किसी भी प्रकार के दबाव या प्रभाव में आकर कार्य करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### शिकायतों के त्वरित समाधान पर जोर

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि फरियादियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों को तत्काल संबंधित थाना प्रभारी एवं क्षेत्राधिकारी को सौंपते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

### थाना स्तर पर जवाबदेही तय करने के संकेत

जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि फरियादियों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए थाना स्तर पर ही अधिकतम मामलों का समाधान किया जाए। शिकायतकर्ता को कार्रवाई की जानकारी समय पर दी जाए, ताकि पुलिस के प्रति विश्वास बना रहे।

### अनियंत्रित वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो की मौत

अंबेडकरनगर। जिले के भीटी थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा तिवारीपुर–मिझौड़ा मार्ग पर चीनी मिल के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सामने से आकर बाइक को टक्कर मार दी। भीटी थाना क्षेत्र के प्रतापीपुर गांव निवासी दिलीप कुमार अपने साथी सुनेत कुमार और गुड्डू के साथ रविवार रात करीब नौ बजे बाइक से घर से निकले थे। तीनों युवक चीनी मिल के पास स्थित एक होटल पर खाना खाने गए थे। खाना खाने के बाद वे बाइक से वापस गांव लौट रहे थे। रात करीब 10 बजे जब वे चीनी मिल से लगभग 200 मीटर आगे मिझौड़ा चौराहे की ओर चककोडार गांव के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहा तेज रफ्तार अज्ञात वाहन अनियंत्रित होकर उनकी बाइक से टकरा गया।

# निराश्रित गोवंश संरक्षण के लिए हर ब्लॉक में कैटल कैचर क्रय के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में निराश्रित गोवंशों के संरक्षण और समुचित प्रबंधन के लिए जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने प्रत्येक विकास खंड में एक-एक कैटल कैचर क्रय करने के निर्देश जारी किए हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला की उपस्थिति में हुई बैठक में जिले के समस्त ब्लॉक प्रमुखों और खंड विकास अधिकारियों ने इस योजना की रूपरेखा और क्रय प्रक्रिया पर चर्चा की। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रशासन निराश्रित और भटकते हुए गोवंशों को सुरक्षित रूप से पकड़कर गौशालाओं में संरक्षित करने के लिए गंभीर एवं सक्रिय है। इसी उद्देश्य के लिए कैटल कैचर का क्रय अत्यंत आवश्यक है। बैठक में खंड विकास अधिकारी जहांगीरगंज ने बताया कि उनके विकास खंड में कैटल कैचर क्रय की प्रक्रिया जारी है। जिलाधिकारी ने अन्य सभी ब्लॉकों को भी निर्देशित किया कि वे अपनी

- कैटल कैचर क्रय प्रक्रिया को त्वरित पूरा करने के निर्देश।
- गौशालाओं में वर्मी कंपोस्ट यूनिट और आय सृजन पर जोर।
- ग्रामीण बाजारों और ग्राम पंचायतों में विकास के निर्देश।

प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा करें ताकि सभी विकास खंडों में समय पर कैटल कैचर उपलब्ध हो सकें। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक गौशाला में वर्मी कंपोस्ट यूनिट स्थापित की जाए।

# सम्पादकीय

## अमर्त्य सेन को नोटिस, अब यही बचा था

पिछले साल अगस्त में नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) पर चिंता व्यक्त करते हुए चेतावनी दी थी कि यदि इस प्रक्रिया को संवेदनशीलता से नहीं संभाला गया तो बड़ी संख्या में गरीब और हाशिए पर रहने वाले लोग मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। श्री सेन ने उस नौकरशाही प्रक्रिया की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाया था जो नागरिकों से सख्त दस्तावेजी साक्ष्य मांगती है, जबकि शायद उनके पास वे दस्तावेज उपलब्ध न हों। उन्होंने कहा था कि 'प्रशासनिक प्रक्रियाएं और समय-समय पर संशोधन आवश्यक हैं, लेकिन ये मौलिक अधिकारों की कीमत पर नहीं होने चाहिए। अमर्त्य सेन ने कहा था कि कई लोगों के पास दस्तावेज नहीं हैं। कई लोग वोट नहीं दे सकते... अगर हालात को थोड़ा सुधारने के नाम पर कई लोगों को नुकसान पहुंचाया जाता है, तो यह एक गंभीर गलती बन जाती है, सिर्फ एक गलती को सुधारने के लिए सात नयी गलतियां करना जायज नहीं ठहराया जा सकता।' एसआईआर पर ऐसी नकारात्मक टिप्पणी पहली बार नहीं हुई थी, देश का विपक्ष लगातार इन्हीं सवालों को उठाते आया है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तो बाकायदा वोटर अधिकार यात्रा ही इस मुद्दे पर निकाल दी और साथ ही चुनाव आयोग के सामने वोट चोरी के सबूत भी पेश किए। जिस पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी को हलफनामा दाखिल करने कहा। अमर्त्य सेन से ऐसी कोई मांग नहीं की गई, लेकिन उन्हें प.बंगाल की एसआईआर प्रक्रिया के दौरान नोटिस भेजकर आयोग के सामने पेश होने कहा गया। जी हां, नरेन्द्र मोदी के राज में अब ये भी मुमकिन है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित व्यक्ति को नाम की वर्तनी गलत होने के नाम पर चुनाव आयोग नोटिस भेज सकता है। जब एक नोबेल विजेता और विश्व विख्यात नागरिक के साथ भारत सरकार का सलूक ऐसा है, तो फिर आम आदमी के लिए वह कितनी हेय दृष्टि रहती है, इसका अंदाज लगाया जा सकता है। प.बंगाल में एसआईआर को लेकर कई किस्म के विवाद सामने आ रहे हैं। सत्तारुढ़ टीएमसी ने दावा किया है कि बूढ़े और बीमार लोगों तक को चुनाव आयोग नोटिस भेजकर परेशान कर रहा है। आरोप है कि कम से कम 70 लोगों की मौत इस प्रक्रिया की वजह से हो चुकी है। ये बेहद गंभीर बात है और सुप्रीम कोर्ट इन मौतों पर स्वतः संज्ञान लेकर नए सिरे से चुनाव आयोग से पूछताछ करेगा ऐसी उम्मीद है। बहरहाल, आम लोगों को परेशान करने और अकाल मौतों के आरोपों के बीच एक नया विवाद अमर्त्य सेन को नोटिस जारी करने पर खड़ा हो गया। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने इस पर सवाल उठाए तो चुनाव आयोग ने इसे टाइपो की गलती बताया और नोटिस जारी करने वाले बीएलओ को सस्पेंड कर दिया। हालांकि कायदे से इसमें ज्ञानेश कुमार को दो पंक्ति का ही सही लेकिन खेद प्रकट करना चाहिए था। तृणमूल कांग्रेस ने सही कहा कि अमर्त्य सेन को नोटिस जारी करना बंगाल और भारत को वैश्विक पहचान दिलाने वाले एक महान व्यक्तित्व का अपमान है। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अमर्त्य सेन को दिया गया नोटिस दर्शाता है कि कैसे बंगाल में प्रभावशाली आवाजों को व्यवस्थित रूप से निशाना बनाया जा रहा है। इससे पहले अभिनेता देव और क्रिकेटर मोहम्मद शमी को भी नोटिस भेजे गए थे। मानो उपलब्धि, ईमानदारी और गरिमा का अब कोई महत्व ही नहीं रह गया हो। नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने भारत की बौद्धिक संपदा और मूल्यों को विश्व मंच पर पहुंचाया। आज, उनके कद का एक सार्वजनिक व्यक्ति भी भाजपा नियंत्रित चुनाव आयोग के हाथों अपमानित हो रहा है। ध्यान रहे कि नोबेल पुरस्कार विजेता की दिवंगत माता अमिता सेन, 2002 में बंगाल में हुए एसआईआर (जनगणना) के दौरान मतदाता सूची में थीं। अमर्त्य सेन ने 2014 में बंगाल में मतदाता के रूप में पंजीकरण कराया था और उसी वर्ष लोकसभा चुनाव में मतदान किया था। जब राज्य में एसआईआर प्रक्रिया 4 नवंबर को शुरू हुई, तो सेन के नाम से एक एसआईआर जनगणना प्रपत्र जारी किया गया। उनके चचेरे भाई संताभानु सेन ने भरा हुआ प्रपत्र बीएलओ (राज्य परिवहन अधिकारी) को जमा कर दिया। एसआईआर में अमर्त्य सेन के नाम की वर्तनी में अंतर पाया गया था। इसी पर नोटिस भेजा गया। हालांकि अब चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि सेन को गलती सुधारने के लिए बीरभूम जिले के बोलपुर स्थित निर्धारित कार्यालय में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है। आयोग ने कहा कि एक बीएलओ (चुनाव अधिकारी) हार्वर्ड के अर्थशास्त्री सेन के पैतृक निवास शांति निकेतन स्थित प्रतीची जाकर आवश्यक कार्रवाई करेगा।

# जीडीपी बनाम एनडीपी बनाम जीएनएच: विकास को मापने का सही पैमाना कौन-सा?

> अंत में जीएनएच यह स्पष्ट करता है कि आर्थिक प्रगति का अंतिम उद्देश्य क्या होना चाहिए मानव सुख, संतोष और सम्मानजनक जीवन। मेरे मत में जीडीपी और एनडीपी विकास के साधन हैं नीति-निर्माण का अंतिम लक्ष्य जीएनएच होना चाहिए। इसके लिए खुशी और जीवन-गुणवत्ता को मापने की वैज्ञानिक और व्यावहारिक विधियों का विकास आवश्यक है।

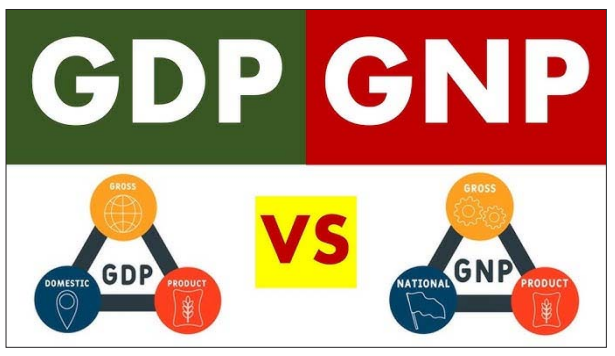


किसी भी देश की प्रगति, नीति-निर्माण और भविष्य की दिशा तय करने के लिए यह अत्यंत आवश्यक होता है कि विकास को मापने के लिए सही संकेतकों का चयन किया जाए। आर्थिक इतिहास में लंबे समय तक जीडीपी को विकास का सबसे प्रमुख और लगभग सर्वमान्य पैमाना माना गया। सरकारें, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और निवेशक सभी जीडीपी के आँकड़ों के आधार पर किसी देश की आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन करते रहे हैं। लेकिन समय के साथ-साथ यह प्रश्न गहराता गया कि क्या केवल उत्पादन, आय और बाजार गतिविधियाँ ही विकास का वास्तविक माप हो सकती हैं? क्या बढ़ती अर्थव्यवस्था अपने-आप नागरिकों के जीवन को बेहतर, सुखी और सुरक्षित बना देती है? इन्हीं प्रश्नों के उत्तर खोजने की प्रक्रिया में एनडीपी मतलब नेट घरेलू उत्पाद और आगे चलकर जीएनएच सकल राष्ट्रीय खुशी जैसे वैकल्पिक और अधिक व्यापक संकेतक सामने आए। यह लेख जीडीपी, एनडीपी और जीएनएच तीनों की अवधारणा, उनकी उपयोगिता, सीमाओं और परस्पर तुलना को सरल रूप से प्रस्तुत करता है तथा ढूंढता है कि कि आज के समय में विकास को मापने का सबसे उपयुक्त दृष्टिकोण क्या होना चाहिए। जीडीपी की बात करें तो विकास मापने का यह पश्चिम द्वारा विकसित पारंपरिक पैमाना है. यह किसी देश की भौगोलिक सीमाओं के भीतर एक निश्चित अवधि, सामान्यतः एक वर्ष में, उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के कुल मौद्रिक मूल्य को दर्शाता है। यह कृषि, उद्योग और सेवा तीनों क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों को एक संख्या में समेट देता है। इसे विकास का पैमाना इसलिए माना गया क्योंकि यह आर्थिक गतिविधि और उत्पादन क्षमता का एक स्पष्ट संकेत देता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगभग सभी देशों द्वारा इसे अपनाए जाने के कारण देशों के बीच तुलना भी आसान हो जाती है। निवेशक यह समझ पाते हैं कि कौन-सी अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही है, सरकारें कर-संग्रह और रोजगार सृजन का अनुमान लगा पाती हैं और नीति-निर्माताओं को विकास दर का एक त्वरित संकेत मिल जाता है। लेकिन जीडीपी की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि यह मात्रा को महत्व देता है, गुणवत्ता को नहीं। यह यह नहीं बताता कि आय का वितरण समाज में कितना समान या असमान है। यदि जीडीपी बढ़ रहा है, तो भी हो सकता है कि उसका लाभ केवल सीमित वर्ग तक सिमट जाए। पर्यावरणीय क्षति, प्रदूषण, वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन को जीडीपी विकास मान लेता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, मानसिक संतोष और जीवन-स्तर की गुणवत्ता जैसे मानवीय पहलुओं को यह नज़रअंदाज़ करता है। वास्तव में जीडीपी यह तो बताता है कि "कितना उत्पादन हुआ" पर यह नहीं बताता कि उस उत्पादन से लोगों का जीवन कितना बेहतर, सुरक्षित और सुखद हुआ। इसके अलावा, विध्वंस और विकास दोनों प्रकार की गतिविधियाँ जीडीपी की गणना में शामिल हो जाती हैं। किसी प्राकृतिक आपदा के बाद पुनर्निर्माण से भी जीडीपी बढ़ सकता है, जबकि वास्तविकता में समाज को भारी नुकसान हुआ होता है। इस दृष्टि से जीडीपी सस्टेनेबिलिटी आधारित अर्थव्यवस्था के लिए एक अपूर्ण माप है। वहीँ एनडीपी नेट घरेलु उत्पाद जीडीपी का अधिक यथार्थवादी रूप है. नेट घरेलू उत्पाद, जीडीपी की कुछ प्रमुख सीमाओं को सुधारने का प्रयास करता है, जैसे कि एनडीपी की गणना में जीडीपी से मूल्यह्रास घटा दिया जाता है। मूल्यह्रास मतलब मशीनों, भवनों, कारखानों, संसाधनों और अन्य पूंजीगत संपत्तियों की समय के साथ होने वाली टूट-फूट और क्षरण। इस दृष्टि से एनडीपी यह दर्शाता है कि उत्पादन प्रक्रिया में लगी पूंजी को बनाए रखने के बाद देश ने वास्तव में कितना नया मूल्य सृजित किया। इसलिए इसे जीडीपी की तुलना में अधिक यथार्थवादी माना जाता है। यह दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता का बेहतर संकेत देता है और यह नीति-निर्माताओं को यह समझने में मदद करता है कि विकास टिकाऊ है या केवल संसाधनों के क्षरण पर आधारित है। हालाँकि, एनडीपी भी विकास की संपूर्ण तस्वीर प्रस्तुत नहीं करता। यह भी मानव कल्याण, सामाजिक संतुष्टि और खुशहाली को सीधे मापने में असमर्थ है।पर्यावरणीय संतुलन, सामाजिक न्याय और जीवन की गुणवत्ता जैसे तत्व इसमें शामिल नहीं होते। इस प्रकार, एनडीपी आर्थिक दृष्टि से जीडीपी से बेहतर अवश्य है, लेकिन यह भी विकास के मानवीय और नैतिक पक्ष को पूरी तरह नहीं समेट पाता। यह बताता है कि अर्थव्यवस्था कितनी स्वस्थ है, पर यह नहीं बताता कि आम नागरिक का जीवन अनुभव कैसा है। अब आते हैं जीएनएच पर विकास के मानवीय और सनातन दृष्टिकोण का. जीएनएच मतलब सकल राष्ट्रीय खुशी । जीएनएच की अवधारणा विकास को केवल धन, उत्पादन और उपभोग से नहीं जोड़ती, बल्कि इसे मानव सुख-समृद्धि और उसकी सततता से मापती है। यह मानती है कि अर्थव्यवस्था का अंतिम उद्देश्य केवल वस्तुओं का उत्पादन नहीं, बल्कि मनुष्य को सुखी, संतुलित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। जीएनएच के अनुसार खुशहाली का आधार सुख है, और सुख ही विकास का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। इसके प्रमुख घटक मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, शिक्षा की गुणवत्ता और समान अवसर, पर्यावरणीय संतुलन और प्रकृति के साथ सामंजस्य, सुशासन, पारदर्शिता और सामाजिक विश्वास, कार्य-जीवन संतुलन और सामुदायिक संबंध, सांस्कृतिक मूल्य और सामाजिक समरसता है. जीएनएच का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह विकास को मानव-केंद्रित बनाता है। यह नीति-निर्माताओं को याद दिलाता है कि आर्थिक वृद्धि साध्य नहीं, बल्कि साधन है। हालाँकि, जीएनएच की भी अपनी चुनौतियाँ हैं। जैसे खुशी और संतोष को मापना स्वभावतः कठिन है। यह अधिकतर गुणात्मक आकलन पर आधारित होता है। वैश्विक स्तर पर इसके व्यापक रूप से न अपनाए जाने के कारण अंतरराष्ट्रीय तुलना जटिल हो जाती है। त्वरित नीतिगत निर्णयों में इसे सीधे लागू करना आसान नहीं है।

**पंकज जायसवाल**

## भोजन की गुणवत्ता ...

ललित गर्ग

# भूख से मुक्ति का राष्ट्रीय संकल्प है अटल कैंटीन योजना

भूख केवल एक शारीरिक पीड़ा नहीं है, वह सामाजिक असंतुलन, मानसिक कुंठा और नैतिक विचलन की जननी भी है। इतिहास साक्षी है कि जब पेट खाली होता है, तो विचार उग्र हो जाते हैं, व्यवस्था के प्रति विश्वास डगमगाने लगता है और विद्रोह की भावना पनपती है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे पहली जिम्मेदारी यह होती है कि उसका कोई भी नागरिक भूखा न रहे। इसी बुनियादी और मानवीय सोच के साथ दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार द्वारा शुरू की गई रुपये 5 में भोजन उपलब्ध कराने की 'अटल कैंटीन योजना' निस्संदेह एक दूरदर्शी, करुणामय, मानवीय और जनकल्याणकारी पहल है। इस योजना का उद्देश्य अत्यंत स्पष्ट और मानवीय है कि दिल्ली में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। राजधानी जैसे महानगर में, जहाँ एक ओर समृद्धि और चमक-दमक है, वहीं दूसरी ओर असंगठित श्रमिक, दिहाड़ी मजदूर, रिक्शाचालक, ठेला-पटरी वाले, घरेलू कामगार और बेघर लोग भी बड़ी संख्या में रहते हैं। इनके लिए दो वक्त का सम्मानजनक और पौष्टिक भोजन आज भी एक चुनौती बना हुआ है। अटल कैंटीन योजना इन्हीं वर्गों के लिए जीवनरेखा बनकर सामने आई है, जो 'संकल्प से सिद्धि' के लक्ष्य को दर्शाता है और इसे देश में भोजन सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस योजना का शुभारंभ भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर किया जाना केवल एक औपचारिक तिथि चयन नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक है। अटलजी का संपूर्ण राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन अंत्योदय अर्थात समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के विचार से प्रेरित रहा। वर्ष 2000 में शुरू की गई अंत्योदय अन्न योजना ने यह स्पष्ट कर दिया था कि अटलजी के लिए गरीब केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि नीति का केंद्र था। उस योजना के अंतर्गत अत्यंत गरीब परिवारों को रियायती दरों पर अनाज उपलब्ध कराया गया, जिससे करोड़ों लोगों को भुखमरी से राहत मिली। अटल कैंटीन योजना उसी सोच का आधुनिक शहरी संस्करण है, जहाँ अनाज के बजाय तैयार, पौष्टिक और स्वच्छ भोजन सीधे थाली में परोसा जा रहा है। यह नीतिगत निरंतरता इस बात का प्रमाण है कि सुशासन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि संवेदनशील क्रियान्वयन से साकार होता है। अटल कैंटीन में भोजन की कीमत रुपये 5 रखी गई है, जबकि सरकार प्रत्येक थाली पर रुपये 25 की सब्सिडी दे रही है। यह मूल्य निर्धारण अत्यंत सोच-समझकर किया गया है। भोजन पूरी तरह मुफ्त न देकर एक न्यूनतम राशि तय करने का उद्देश्य यह है कि भोजन की कद्र बनी रहे और लाभार्थी इसे भीख नहीं, बल्कि अधिकार और सम्मान के रूप में ग्रहण करे। यह नीति सामाजिक मनोविज्ञान को समझने का उत्कृष्ट उदाहरण है। रेखा गुप्ता सरकार ने सीमित संसाधनों के बावजूद जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए जिस संवेदनशीलता, निर्णय क्षमता और प्रशासनिक दक्षता का परिचय दिया है, वह उनके प्रभावी राजनीतिक नेतृत्व को रेखांकित करता है; अटल कैंटीन जैसी योजनाएँ बताती हैं कि वे शासन को सत्ता नहीं, सेवा का माध्यम मानती हैं। किंतु सर्दी के इस कठोर मौसम में दिल्ली की सड़कों, फुटपाथों और फ्लाईओवरों के नीचे ठिठुरती रातें काटने को विवश गरीब और बेघर लोगों के लिए केवल मौसमी रैन-बसेरे पर्याप्त नहीं हैं, आवश्यकता एक स्थायी, समन्वित और मानवीय शीत-रक्षा योजना की है, जिसमें अस्थायी आश्रय के साथ गरम वस्त्र, पौष्टिक भोजन, प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा और पुनर्वास की स्पष्ट व्यवस्था हो, ताकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की राजधानी की सड़कों पर कोई भी व्यक्ति सर्द रात में बेसहारा और अदृश्य न रहे; ऐसा कदम न केवल प्रशासनिक संवेदनशीलता का प्रमाण होगा, बल्कि लोकतंत्र की नैतिक जिम्मेदारी का भी सशक्त निर्वाह बनेगा। महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि उपलब्ध कराया जा रहा भोजन पोषण मानकों के अनुरूप है। भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एफएसएसएआई मानकों का पालन किया जाता है, जिसमें प्रति थाली 700-800 कैलोरी और 20-25 ग्राम प्रोटीन होता है। डिजिटल टोकन, सीसीटीवी और निगरानी के साथ पारदर्शिता सुनिश्चित की जाती है। प्रत्येक कैंटीन प्रतिदिन लगभग 1000 लोगों को भोजन परोसने की क्षमता रखी है, और 100 कैंटीन खोलने का लक्ष्य है। दाल, सब्जी, रोटी/चावल जैसे संतुलित आहार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

## ऐसी स्थिति में ...

डॉ0 मत्स्येन्द्र प्रभाकर

# तलवार की धार पर भारत की विदेश नीति !

अमेरिका की 'दादागीरी' और दबंगई पुरानी है। यह दुनिया भर में कम से कम सवा सौ साल से चल रही है। इस अवधि में और आक्रामकता आयी है। इसी दौरान दो बार विश्व युद्ध हुए। सोवियत संघ के रूप में दुनिया में दूसरी महाशक्ति बनी तथा उसका पराभव हुआ। कालान्तर में चीन बड़ी ताकत बना और वह अब भी ऐसा लगता है। बावजूद इसके, दुनिया बहुध्रुवीय हो गयी है जहाँ समय-समय पर अनेक गुट बनते, बढ़ते, बदलते और बिगड़ते रहते हैं; फिर भी अमेरिका को चुनौती देने की ताकत किसी एक क्या, कई देशों के समूहों तक में नहीं दिखती। वजह इन सबके निहित स्वार्थ हैं। नतीजतन, अमेरिका अब धौंस के साथ दुनिया का 'खौफनाक दरोगा' हो गया है। वह जब, जहाँ, जिस तरीके से चाहता है मनमानी करता है। ताजा मामला वेनेजुएला के राष्ट्रपति के अपहरण और गिरफ्तारी का है। अचरज यह है कि अमेरिका यह सब लोकतंत्र और मानवाधिकार की रक्षा के नाम पर करता है! ऐसी स्थिति में भारत का मौन बहुध्रुवीय दुनिया की कसौटी पर है। यह ठीक है कि इस वक्त हमारा भारत ₹बड़ी आर्थिक शक्ति₹ बनने को अग्रसर है और इसके मद्देनज़र 'सुरक्षात्मक नीति' (डिफेंसिव पालिसी) आवश्यक होती है लेकिन चाहे वेनेजुएला की बात हो या, पड़ोसी बाँग्लादेश में हिन्दुओं की हत्या का मामला, भारत का मुखर होकर आगे न आना अनेक लोगों को खलता है और गरचे ऐसा न हो, तो हैरान अवश्य करता है क्योंकि भारत सदा से विश्व शान्ति का पक्षधर रहा है। दुनिया आज दिखने में तो भले बहुध्रुवीय हो चुकी है, लेकिन शक्ति सन्तुलन की असल तस्वीर बहुत असमान है। एक ओर अमेरिका है जो अपने हित में किसी भी देश की सत्ता–संरचना को पलट देने से कभी नहीं हिचकता, दूसरी ओर चीन–रूस–ईरान, क्यूबा और उत्तर कोरिया जैसे देश हैं जो इस वर्चस्व को चुनौती दे रहे हैं। यूरोपीय यूनियन के देश अमूमन अमेरिका के पिछलग्गू हैं। ऐसे समय में भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और तेजी से उभरती चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में निर्णायक भूमिका निभा सकता है, पर अभी उसकी आवाज़ उतनी 'मुखर' नहीं दिखती। इसके कारणों पर विशेषज्ञों के दृष्टिकोण भिन्न हैं। हाँ, ज्यादातर का यह अवश्य मानना है कि भारत किसी को मौक़ा देने की चूक नहीं करना चाहता। अमेरिकी राष्ट्रपति भारत के प्रधानमंत्री को अपना मित्र कहते जरूर हैं परन्तु यह उनके 'तंज' जैसा ही है। असल में ट्रम्प भारत से खार खाये बैठे हैं। उन्होंने सोचा होगा कि भारत भी उनके पिछलग्गुओं की जमात में शामिल हो जाएगा किन्तु भारत ने मौजूदा नेतृत्व की स्पष्ट नीति से यह बता दिया है।

## जरा हटके

## आज भारत सिर्फ ...

अशोक भाटिया

# क्या अमेरिका भारत की मांगों पर सहमत होगा?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल का एक साल पूरा होने के मौके पर उन्होंने कई अमेरिकी आयात खर्च को कम किया है. इसके अलावा अमेरिकी उपभोग खर्च में काफी वृद्धि हुई है, निर्यात में काफी वृद्धि हुई है, ट्रम्प प्रशासन ने रक्षा खर्च में वृद्धि की है, जिससे विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिला है, मुख्य रूप से क्योंकि अधिकांश देशों ने आयात को और अधिक महंगा बना दिया है, अमेरिकी आयात खर्च को कम किया है, और संयुक्त राज्य अमेरिका में घरेलू मांग को कम किया है। फिर भी, इस कमी की भरपाई निर्यात में वृद्धि और रक्षा क्षेत्र के विस्तार से की गई। परिणामस्वरूप, सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही में अमेरिका में व्यक्तिगत उपभोग व्यय के मूल्य सूचकांक में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पिछली तिमाही में इसमें 2.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। अमेरिकी अर्थव्यवस्था की वृद्धि भारत की अर्थव्यवस्था के हित में है, क्योंकि इससे भारत के प्रौद्योगिकी और सेवा उद्योग की मांग बढ़ती है, साथ ही संयुक्त राज्य अमेरिका से प्रेषण में वृद्धि होती है। इसमें बढ़ोतरी हुई है और दवा और इलेक्ट्रॉनिक्स शुल्क में वृद्धि अभी तक लागू नहीं की गई है। इसलिए, ये क्षेत्र अमेरिकी प्रतिबंधों से प्रभावित नहीं थे। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू हुए कई महीने हो गए हैं। इस बीच, अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले भारत पर 25 प्रतिशत जुर्माना लगाने और अमेरिका द्वारा 25 प्रतिशत शुल्क लगाने के लिए एक व्यापार समझौते पर बातचीत रद्द कर दी थी। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने उम्मीद जताई कि अमेरिका भारत की मांगों पर सहमत होगा और इस साल जनवरी तक समझौता हो जाएगा। भारतीय कंपनियों को अमेरिका से नए ऑर्डर मिलेंगे, जिससे भारत में अधिक डॉलर आएंगे, घरेलू रोजगार बढ़ेगा और रुपये के मूल्यह्रास को मजबूती मिलेगी। सौभाग्य से, भारत रूस के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है और रूस, आर्मेनिया, बेलारूस, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान को शामिल करते हुए यूरेशियन आर्थिक संघ के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते पर भी बातचीत कर रहा है। दोनों देशों ने 2030 तक इस आंकड़े को 100 डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। संयुक्त राज्य अमेरिका यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने में सक्षम नहीं है। यदि संयुक्त राज्य अमेरिका 2026 में युद्ध समाप्त करने में सफल हो जाता है, तो यूक्रेन में अमेरिकी निवेश बढ़ जाएगा। यह समझौता यूक्रेन की तुलना में संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के लिए अधिक लाभदायक हो सकता है, लेकिन किसी भी दर पर, यूक्रेन के साथ-साथ गाजा पट्टी में शांति वैश्विक व्यापार के साथ-साथ भारत के लिए भी लाभदायक होगी। यदि विकास, लोकतंत्र और सुरक्षा एक दूसरे के पूरक होंगे, तो भारत न केवल अपने नागरिकों के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करेगा। यह इक्कीसवीं सदी की वैश्विक व्यवस्था में एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभरेगा। आज भारत सिर्फ विकासशील देश ही नहीं है, बल्कि वैश्विक नीति-निर्माण में सक्रिय भागीदार भी है। जी-20, क्वाड और ब्रिक्स संगठनों में ग्लोबल साउथ की आवाज के रूप में भारत की भूमिका बढ़ी है। 21वीं सदी के तीसरे दशक में भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहां विकास, राजनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा आपस में गहराई से जुड़ी हुई हैं।यह एक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और राजनीतिक रूप से सक्रिय लोकतंत्र भी है। साल 2026 भारत के लिए भी महत्वपूर्ण है। क्योंकि इस दौरान सरकार की कई दीर्घकालिक नीतियों, आंतरिक सुरक्षा लक्ष्यों और राजनीतिक नीतियों का परीक्षण किया जाएगा। आज सड़कें, एक्सप्रेसवे , रेलवे आधुनिकीकरण, नए बंदरगाहों और हवाई अड्डों के निर्माण ने भारत की आंतरिक कनेक्टिविटी और निवेश आकर्षण को मजबूत किया है। डिजिटल भुगतान प्रणाली, आधार-जनधन-मोबाइल ट्रिनिटी, सरकारी सेवाओं का डिजिटलीकरण, भारत की विकास गाथा को अलग करते हैं। सरकार ने अब उन क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत की है जो पहले स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण और रोजगार योजनाओं के कारण लगभग अनुपस्थित थे। उन्होंने कहा कि सरकार 2026 तक आतंकवादी गतिविधियों को कम करने की योजना बना रही है ताकि पर्यटन, अर्थव्यवस्था और स्थानीय जीवन सामान्य हो सके।राजनीति को संघर्ष से समाधान की ओर ले जाना और एक मजबूत और संतुलित लोकतंत्र को बनाए रखना भारत की सफलता के मापदंड होंगे। जब भारत नक्सलवाद और कश्मीर आतंकवाद जैसे गहरे आंतरिक सुरक्षा खतरों पर काबू पा लेगा, तो इसका प्रभाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहरा होगा। यह भारत को एक सुरक्षित, स्थिर और निवेश के अनुकूल राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। रोजगार और विकास से जुड़ी पुरानी बहस, आप्रवासी/नागरिकता कानून, स्थानीय पहचान और सामाजिक समीकरण अब सुधार के प्रमुख बिंदु होंगे।

## दो हादसों में पिता-पुत्र समेत 5 की मौत, ई-रिक्शा को रौंदा, शव निकालने के लिए बुलानी पड़ी जेसीबी

# बरेली में मौत बनकर दौड़े ट्रक

**घटना**

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। यूपी के बरेली में गुरुवार की सुबह हादसों की सुबह साबित हुई। घने कोहरे और तेज रफ्तार के कहर ने दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में 5 परिवारों के चिराग बुझा दिए। पहला हादसा बहेड़ी के नैनीताल हाईवे पर हुआ, जहां एक बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार पिता और उनके दो मासूम बेटों को कुचल दिया। वहीं, दूसरा हादसा हाफिजगंज में पीलीभीत हाईवे पर हुआ, जहां ट्रक ई-रिक्शा को टक्कर मारकर रौंदते हुए निकल गया। ई-रिक्शा में सवार 2 मिस्त्रियों की मौत हो गई। ट्रक ने इतनी बुरी तरह रौंदा कि शवों को निकालने के लिए जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। सूचना

पीलीभीत-बरेली हाईवे

मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतकों की जेब से मिले कागजातों के आधार पर उनके परिजनों को सूचित किया। मृतक पप्पू के छह बच्चे थे। इस हादसे में पिता और दो बेटों की मौत के बाद परिवार में शोक का माहौल है। सूचना मिलते ही मृतकों की चाची सरोज और अन्य परिजन बदहवास हालत में मौके पर पहुंचे।

**स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह घने कोहरे के कारण ट्रक ड्राइवर वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे यह दुर्घटना हुई। तीनों मृतक मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। कोतवाल पवन कुमार ने बताया कि तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और फरार ट्रक ड्राइवर की तलाश जारी है।**

### पहला हादसा बहेड़ी में- उजड़ा पूरा परिवार, पिता-बेटों की मौत

नैनीताल हाईवे पर गुरुवार सुबह करीब 8 बजे देवरनिया थाना क्षेत्र के गांव इटोआ में रहने वाले पप्पू(55) अपने दो बेटों, विशाल(15) और विवेक (20) के साथ बाइक पर सवार होकर किच्छा (उत्तराखंड) की ओर निकले थे। तीनों घर से यह कहकर निकले थे कि आज काम ज्यादा है, शाम को देर से लौटेंगे।

### कोहरे के कारण नहीं दिखाई दी बाइक

जैसे ही उनकी बाइक बहेड़ी थाना क्षेत्र के गुड़वारा गांव के पास पहुंची। पीछे से आ रहे एक बेकाबू ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। कोहरा इतना घना था कि ट्रक चालक को सामने चल रही बाइक दिखाई नहीं दी। टक्कर लगते ही बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों पिता-बेटे हाईवे पर दूर जाकर गिरे। ट्रक का पहिया विशाल और विवेक के ऊपर से गुजर गया। जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पप्पू ने कुछ देर तड़पने के बाद दम तोड़ दिया।

- टक्कर इतनी भीषण थी कि हासिम और सलीम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।
- शव को ट्रक के नीचे से निकालती हुई घटनास्थल पर मौजूद पुलिस।

### घने कोहरे के कारण हुआ हादसा

वहीं इस मामले में, हाफिज गंज कोतवाल प्रवीन कुमार सोलंकी ने बताया कि घायलों को अस्पताल भिजवाया है। मृत लोगों के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम भेज दिया गया है। परिवार की तरफ से जो तहरीर प्राप्त होगी उसी के आधार पर कार्यवाही की जाएगी। प्रवीण सोलंकी ने कहा कि हादसे में बड़ी वजह कोहरा है। जिसकी वजह से हादसा हुआ है।

# एमआईईटी और रोशनी एग्री इंफॉर्मेशन के बीच एमओयू

## एआई-ड्रिवन स्मार्ट फार्मिंग को मिलेगा बढ़ावा

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी), मेरठ तथा मोहाली स्थित रोशनी एग्री इंफॉर्मेशन प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू एआई-ड्रिवन स्मार्ट फार्मिंग, डिजिटल इनोवेशन और इंडस्ट्री-रेडी टैलेंट के निर्माण की दिशा में एक अहम पहल के रूप में देखा जा रहा है। समझौते के माध्यम से इंजीनियरिंग एवं कृषि शिक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग आधारित अनुसंधान, प्रोजेक्ट्स एवं प्रशिक्षण के नए अवसर सृजित होंगे। एमओयू पर हस्ताक्षर एमआईईटी के निदेशक प्रो. (डॉ.) संजय कुमार सिंह और रोशनी एग्री इंफॉर्मेशन प्राइवेट

लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री राजीव तोमर द्वारा किए गए। इस अवसर पर एमआईईटी के निदेशक डॉ. संजय कुमार सिंह ने कहा कि इस समझौते का मुख्य उद्देश्य डिजिटल इनोवेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग एप्लीकेशंस, एआई-ड्रिवन एग्रीकल्चर तथा छात्र कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है। इसके अंतर्गत स्मार्ट फार्मिंग, प्रिसिजन एग्रीकल्चर और डेटा-ड्रिवन निर्णय प्रणाली के लिए उन्नत तकनीकों को अकादमिक एवं रिसर्च इकोसिस्टम से जोड़ा जाएगा।

**फास्ट न्यूज**

### मां की हत्या कर दलित बेटी को उठा ले गया

मेरठ। मेरठ में एक दलित युवती का दिनदहाड़े अपहरण हुआ है। लड़की की मां ने विरोध किया तो दबंग आरोपी ने उस पर फरसे से हमला कर दिया। वह खून से लथपथ होकर वहीं गिर गई। महिला ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। महिला अपनी बेटी के साथ सुबह करीब 8 बजे खेत जा रही थी। रास्ते में पहले से बैठे लड़के ने उन्हें रोक लिया। मां और बेटी से बदतमीजी की। जब महिला ने इसका विरोध किया तो आरोपी गाली-गलौज करने लगा।

### कमिश्नर विजय विश्वास पंत ने उन्नाव का दौरा किया

उन्नाव। लखनऊ मंडल के कमिश्नर विजय विश्वास पंत गुरुवार को उन्नाव के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिले में चल रहे एसआई-आर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) अभियान का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, कमिश्नर पंत ने सुपरवाइ-जरों और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) से सीधा संवाद किया। उन्होंने मतदाता सूची के अद्यतन, नए मतदाताओं के पंजीकरण, नाम जोड़ने-हटाने, मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपन और त्रुटि सुधार संबंधी जानकारी ली।

### छत पर खेलते किशोर पर गिरा हाईटेंशन तार

कन्नौज। कन्नौज के गुरसहायगंज में खेलते वक्त एक किशोर की पीठ पर हाईटेंशन बिजली लाइन का तार टूटकर किशोर के ऊपर गिर गया। जिससे किशोर की पूरी पीठ जल गई और पैर का मांस गायब हो गया। सूचना मिलते ही परिजन उसे अस्पताल ले गए। गुरसहा-यगंज के रामकृष्ण नगर मोहल्ला निवासी रामरतन गुप्ता का 15 वर्षीय बेटा अंश गुप्ता गुरुवार दोपहर अपने दोस्तों के साथ घर के बाहर खेल रहा था।

# जानसठ तहसील में भाकियू कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन

## किसानों की समस्याओं और भ्रष्टाचार के खिलाफ ज्ञापन सौंपा

तमसा संकेत, संवाददाता

मुजफ्फरनगर। भाकियू (अराज-नैतिक) कार्यकर्ताओं ने जानसठ तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों का एक ज्ञापन एसडीएम के नाम तहसीलदार श्रद्धा गुप्ता को सौंपा।बृहस्पतिवार को भाकियू (अराजनैतिक) कार्यकर्ता बड़ी संख्या में तहसील परिसर में एकत्रित हुए। एसडीएम राजकुमार भारती के कार्यालय के सामने कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों पर ध्यान आकर्षित किया। हालांकि एसडीएम कार्यालय में उपस्थित नहीं थे, लेकिन कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार श्रद्धा गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर अपनी बात

रखी।भाकियू (अराजनैतिक) कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन में कहा कि तहसील में भ्रष्टाचार चरम पर है और इससे किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन से किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की। ज्ञापन सौंपने वाले प्रमुख कार्यकर्ताओं में राजीव शेरावत, वीरेंद्र कुमार, यशपाल राठी, विपिन, आकाश चौधरी, महक सिंह, नरेंद्र कुमार, इरशाद और इंतजार शामिल रहे।कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने अपने नारों और बैनरों के माध्यम से प्रशासन को सशक्त संदेश दिया कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। कार्यकर्ताओं का कहना था कि किसानों की समस्याओं को अनदेखा करना सामाजिक असंतोष को बढ़ावा देगा।

### खेत की मेंढ काटने से रोकने पर मारपीट का आरोप

मुजफ्फरनगर। मोरना क्षेत्र के नन्हेड़ा गांव मे खेत की मेंढ को खुर्द बुर्द करने के बाद आरोपी ने पीड़ित किसान के साथ मारपीट की तथा जानलेवा हमले का प्रयास किया। शिकायत पर संज्ञान लेकर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव नन्हेंड़ा निवासी ललित कुमार ने बताया की गांव का ही गजेन्द्र उर्फ गज्जू आये दिन उसके खेत की मेंढ काटता रहता है। बुधवार की सुबह आरोपी को इस बाबत कहने पर उसने ललित के साथ गाली गलौच कर मारपीट की तथा भाला लेकर पीड़ित पर वार करने का प्रयास किया। उसकी पुकार सुनकर आस पास के किसान धर्मेन्द्र व अमित कुमार आदि लोगो ने मौके पर उसकी जान बचाई।सूचना पर डायल 112 पुलिस भी पहुंच गयी।पीड़ित ने कार्रवाई की गुहार पुलिस से लगाई।

# कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

## दुर्घटनाओं पर नियंत्रण को लेकर सख्त निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

सीतापुर। सीतापुर जिलाधिकारी डा राजागणपति आर की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया तथा अब तक किए गए कार्यों की गहन समीक्षा की गई। सड़क सुरक्षा के संबंध में किए गए कार्यों को प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सड़क दुर्घटनाओं में हुयी मृत्यु का डेथ आडिट निर्धारित समयावधि में तथ्यपरक रूप से कराया जाये तथा परिवहन विभाग, चिकित्सा विभाग, पुलिस एवं लोक निर्माण विभाग/एनएचएआई के

अधिकारी संयुक्त रूप से निर्धारित प्रारूप पर डेथ आडिट करते हुये निष्कर्षात्मक आख्या प्रस्तुत करें, जिससे भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। 10 सर्वाधिक दुर्घटना वाले थाना क्षेत्रों में चिन्हित करते हुये इनमें व्यापक स्तर पर कार्यवाही की जाये। सभी मुख्य मार्गों से संबंधित चिकित्सालयों की टैगिंग करते हुये इसकी सूचना सभी ब्लैकस्पाट पर प्रदर्शित करायी जाये। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता के रूप में लेते हुए ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए। सड़कों के किनारे पटरियों को भी ठीक कराया जाये एवं झाड़ियों का कटान सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही मुख्य मार्गों से अवैध अतिक्रमण हटवाया जाये।

# जिला कारागार में महिला बंदियों को वस्त्र वितरण

## विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

सीतापुर। जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीतापुर श्री कुलदीप सक्सेना की अध्यक्षता में जिला कारागार सीतापुर में महिला बंदियों के लिए वस्त्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम माँ ललिता देवी मंदिर नैमिषारण्य की प्रबंध समिति एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीतापुर के संयुक्त सहयोग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान जनपद न्यायाधीश श्री कुलदीप सक्सेना ने कारागार में निरुद्ध सभी महिला बंदियों को वस्त्र वितरित किए। इसके साथ ही महिला बंदियों के साथ निवास कर रहे बच्चों को ठंड से बचाव हेतु गर्म कपड़े भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर माँ ललिता देवी मंदिर नैमिषारण्य के मुख्य पुजारी गोपाल शास्त्री एवं लाल बिहारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। वस्त्र वितरण कार्यक्रम के साथ-साथ जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष,

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में एक विशेष विधिक जागरूकता शिविर का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अपर जिला जज प्रथम ज्ञान प्रकाश, अपर जिला जज/स्पेशल पाक्सो कोर्ट संख्या-14 श्री भगीरथ वर्मा, अपर जिला जज कोर्ट संख्या-9 शैलेन्द्र कुमार वर्मा तथा अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक सुरेश कुमार सिंह, जिला कारागार का समस्त स्टाफ, बृजेन्द्र कुमार अवस्थी (चीफ, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम) तथा रितिकेश श्रीवास्तव, लिपिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भी उपस्थित रहे।

## कार से खींचकर डिपो ले गए, गेट बंद कर लाठी से मारा, रास्ते को लेकर झगड़ा

# रोडवेज कर्मचारियों ने बाप-बेटों को घसीटकर पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर में रास्ते पर गाड़ी खड़ी करने को लेकर बस और कार सवार में झड़प हो गई। कार सवार युवक ने रास्ते से बस हटाने को कहा। आरोप है कि गुस्से में बस के ड्राइवर और क्लीनर ने उसकी गाड़ी के सामने बस खड़ी कर दी। गाली देते हुए कार से बाप और उसके दो बेटों को खींचकर डिपो ले गए। गेट बंद कर दिया। उसके बाद बाप-बेटों को जमीन पर धक्का देकर गिरा दिया। दोनों खुद को छोड़ने के लिए गुहार लगाने लगे। लेकिन उन्होंने नहीं छोड़ा। जमीन पर घसीट-घसीटकर पीटा। शोर सुनकर आधे घंटे बाद डिपो पहुंचे। गेट का ताला खुलवाकर दोनों को बाहर निकलवाया। उसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। घायलों को अस्पताल

पहुंचाया। आरोपी बस ड्राइवर और क्लीनर को पकड़कर पूछताछ के लिए थाने लेकर आई। घटना गुरुवार को थाना फतेहपुर क्षेत्र की है। इस पर कार सवारों ने बस चालक से वाहन हटाने को कहा, जिससे दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि बस चालक और परिचालक गाली-गलौज करने लगे और विवाद बढ़ता चला गया। कुछ ही देर में बस चालक और परिचालक अपने अन्य साथियों के साथ कार सवारों के पास पहुंचे और सोनू सैनी व उनके दोनों बेटों को जबरन खींचते हुए पास स्थित रोडवेज डिपो ले गए।आरोप है कि डिपो पहुंचते ही बस चालक और परिचालक ने गेट बंद कर दिया और तीनों को जमीन पर धक्का देकर गिरा दिया। इसके बाद उन्हें घसीट-घसीटकर पीटा गया। पीड़ितों के मुताबिक, वे खुद को छोड़ने की गुहार लगाते रहे, लेकिन आरोपियों ने उनकी एक नहीं सुनी और लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट करते रहे।

### बेटों के साथ खरीदारी करने पहुंचे थे

सोनू सैनी छुटमलपुर के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया- वह आज सुबह में अपने बेटों हर्ष सैनी और मुकुल सैनी के साथ सहारनपुर के पंजाबी मार्केट में खरीदारी करने आए थे। कार बेटा चला रहा था। उसने शनिदेव मंदिर के पास कार खड़ी की थी। इसी दौरान एक रोडवेज बस ने उनकी कार में साइड से टक्कर मार दी। उसके बाद रास्ते पर गाड़ी खड़ी कर दी।

बस डिपो पर चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर देखने के लिए भीड़ लग गई।

### बस ड्राइवर ने साथियों संग मिलकर बाप-बेटों को पीटा

सोनू सैनी और उनके बेटों ने जब विरोध किया तो बस ड्राइवर और क्लीनर गाली देने लगे। कहासुनी बहस में तब्दील हो गई। इसके बाद बस ड्राइवर और क्लीनर गाड़ी से उतरकर उनके पास पहुंच गए। उनके साथ कुछ साथी भी थे। वे तीनों को खींचकर डिपो ले गया। आरोप है कि वहां पर उन्हें लाठी-डंडों से पीटा।

### पुलिस आरोपियों को पकड़कर थाने ले आई

थोड़ी ही देर में पुलिस पहुंच गई। लोगों से घटना की जानकारी ली। घायल बाप -बेटों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर में भर्ती कराया। उसके बाद आरोपी ड्राइवर और क्लीनर को पकड़कर थाने लेकर आई। वहां पर उनसे पूछताछ की जा रही है।

**सोनू सैनी का आरोप है कि आधे घंटे से अधिक देर तक उनकी पिटाई की गई। वे दर्द से काफी देर तक तक चिल्लाते रहे। उनकी आवाज सुनकर राहगीर मौके पर पहुंचे। उन्होंने डिपो के गेट का दरवाजा खुलवाया। उसके बाद तीनों को रोडवेज कर्मियों से छुड़ाकर बाहर ले आए।उस-के बाद पुलिस को सूचना दी।**

## दौरा : काशी में पंकज चौधरी बोले-देश-किसान की दबलेगी दशा, पीएम के पास 2047 का रोडमैप

# भ्रष्टाचार पर 'डिजिटल स्ट्राइक' है 'जी रामजी अधिनियम'

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कई कार्यक्रमों में शिरकत की। सबसे पहले गुरुवार सुबह सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इसके बाद पत्रकारों से वार्ता में सरकार की योजनाओं को रखा। वित्त राज्यमंत्री के तौर पर विकसित भारत-जी रामजी अधिनियम पर फोकस किया। उन्होंने कहा कि सरकार और संगठन का बेहतर तालमेल है और डबल इंजन की सरकार जनता की हर सुविधा, उपयोगिता और समृद्धि के लिए काम कर रही है। भाजपा

सरकार ने किसान, नौजवान, श्रमिक, नौकरशाह और समाज के हर वर्ग को अपनी प्राथमिकता में रखा है। पंक्ति का अंतिम व्यक्ति कैसे आगे आए इसके लिए काम हो रहा है। जिसमें योजनाओं की निगरानी अब जियो-टैगिंग, सैटेलाइट इमेजिंग और AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित मोबाइल ऐप्स के जरिए की जाएगी, श्रमिकों की उपस्थिति और काम की पुष्टि के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम को अनिवार्य बनाया गया है।

### विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम भ्रष्टाचार पर डिजिटल स्ट्राइक

वाराणसी अपने दौरे के दूसरे दिन पत्रकार वार्ता कर रहे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने विकसित भारत-जी राम जी' पर चर्चा की। उन्होंने कहा- भाजपा ने स्पष्ट किया है कि मनरेगा जैसी योजनाओं में वर्षों से चले आ रहे भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने के लिए तकनीकी का बड़े स्तर पर उपयोग किया जा रहा है।

### श्रमिकों के लिए लाभकारी नियम

उन्होंने आगे कहा- सरकार ने श्रमिकों के कल्याण के लिए नियमों को और अधिक सख्त और लाभकारी बनाया है। यदि किसी श्रमिक का भुगतान 15 दिनों से अधिक विलंबित होता है, तो सरकार उसे ब्याज के साथ भुगतान करेगी। 125 दिन का काम सुनिश्चित न कर पाने की स्थिति में सरकार कानूनी रूप से बेरोजगारी भत्ता देने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्यों को अधिकार दिया गया है।

वाराणसी सर्किट हाउस में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी।

**66 पंकज चौधरी ने कहा- यह अधिनियम साल 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। वहीं, उन्होंने प्रदेश सरकार के आने वाले आम बजट को 'आम जन का बजट' बताया।**

**उत्तर रेलवे**

ई–निविदा सूचना
खुली निविदा नोटिस का प्रथम संशोधन

खुली निविदा सूचना सं. टीआरडी–20 सीनि०डी०ई०ई०– लखनऊ –25 दिनांक: 31.12.2025 में निम्नलिखित संशोधन किए गए हैं:

| | | |
|---|---|---|
| 1. | ई निविदा सूचना संख्या | टीआरडी–20–सीनि० डी०ई०ई०– लखनऊ–25 |
| 2. | कार्य का नाम | फाफामऊ स्टेशन पर लाइन संख्या 4 और 5 के दोनों सिरों पर ट्रैक और टर्न आउट में गड़बड़ी को ठीक करने के कारण ओएचई का संशोधन कार्य। |
| 3. | अनुमानित लागत | रू. 47,13,101.91 |
| 4. | बयाना राशि | रू. 94,300.00/- |
| 5. | कार्य पूर्ण करने की अवधि | 06 माह |
| 6. | निविदा फार्म जमा करने की अन्तिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि | दिनांक 30.01.2026 को 15.00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15.00 बजे के बाद। |
| 7. | प्रस्ताव की वैधता | निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन। |
| 8. | उत्तर रेलवे की वेबसाइट | अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है। |
| 9. | पत्रता मापदण्ड | निविदाकर्ता तब तक निविदा डालने योग्य नहीं है, जब तक कि वह निम्नलिखित पात्रता मापदंड पूरा नहीं करता: निविदाकर्ता अपने ऑफर के साथ बिजली के ठेकेदारों के वैध लाइसेंस की प्रमाणित छायाप्रति अवश्य जमा करें। |

नोट: इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव नजरअंदाज/खारिज कर दिया जाएगा। पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।
सं: टीआरडी–20–सीनि०डी०ई०ई०–लखनऊ–25 दिनाँक 31.12.2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 79/26

# आईआईटी स्टूडेंट की जिम करते-करते मौत

## पहले दिन वर्कआउट करते वक्त कान से खून आया, बेहोश होकर गिरा

**शोक**

- आदित्य कहीं भी घूमने जाते थे तो अपनी फोटो शेअर करते थे।
- अपने दोस्त के साथ आदित्य ने ये रील नए साल पर बनाई थी।

तमसा संकेत, एजेंसी

हापुड़। हापुड़ के IIT स्टूडेंट आदित्य सागर की पंजाब के रूपनगर में जिम में वर्कआउट करते वक्त मौत हो गई। वह IIT रोपड़ में इंजीनियरिंग थर्ड ईयर का स्टूडेंट था। उसने हाल ही में कैंपस के अंदर ही जिम में रजिस्ट्रेशन कराया था। सोमवार को पहली बार आदित्य जिम पहुंचा। 'नेवर स्टॉप' लिखी टी-शर्ट पहनकर पहुंचे

आदित्य ने अपना बैग वगैरह रखकर वर्कआउट शुरू किया। थोड़ी ही देर में उसके कान से खून निकलने लगा। वो जमीन पर गिर पड़ा। आदित्य को तड़पता देखकर गार्ड और आसपास मौजूद लोग भागकर आए। उसे कैंपस के अंदर ही अस्पताल लेकर गए। हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टर्स ने उसे सिविल हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसका पोस्टमॉर्टम कराया गया। बाद में शव हापुड़ लाया गया। बेटे की लाश देखकर परिवार में कोहराम मच गया। आदित्य के पिता

### आईटी कंपनी शुरू करने की प्लानिंग कर रहे थे

कॉलेज प्रशासन ने जैसे ही ये सूचना परिवार को दी तो परिवार में मातम छा गया। पटना से वापस लौटकर पिता सीधे रोपण पहुंचे। जहां बेटे की लाश देखकर बेसुध हो गए। साथ गए लोगों ने उन्हें संभाला। बुधवार की शाम का शव घर पहुंचा तो मां और छोटे भाई समेत पूरी कॉलोनी में चीख पुकार मच गई।

विनीत सागर रेलवे विभाग में डीसीपी पद पर कार्यरत हैं। बुधवार की शाम को उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। एक घंटे शव को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। उसके बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया। परिवार के मुताबिक, आदित्य अपनी पढ़ाई के साथ-साथ एक आईटी कंपनी शुरू करने की प्लानिंग कर रहे थे। आदित्य की शुरुआती पढ़ाई डीपीएस से की थी। आदित्य पढ़ाई में बहुत तेज था। 12वीं क्लास

### पुलिस बोली- कुछ भी खाए बिना जिम गया

- *रोपड़ पुलिस के एसएचओ सन्नी खन्ना ने बताया- परिवार ने युवक की किसी भी बीमारी के बारे में जिक्र नहीं किया है। वो फिट था। परिवार ने अपने बयानों में किसी भी तरह कि मेडिकल हिस्ट्री या बीमारी के बारे में नहीं बताया है।*
- *आदित्य को लेकर अस्पताल पहुंचे अन्य स्टूडेंट ने बताया था कि जब आदित्य जिम आया तो उसने कुछ भी खा नहीं रखा था। वह खाली पेट था। कार्डियो करते ही उसे पसीना आने लगा। जब तक हम लोग कुछ समझ पाते तब तक वो बेहोश हो गया।*

तक वो फर्स्ट डिवीजन आया था।

आदित्य के पिता विनीत पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की सुरक्षा टीम में रहे हैं।

### स्टूडेंट्स के हल्के-फुल्के व्यायाम के लिए बनाया गया

IIT में जिम स्टूडेंट्स के हल्के-फुल्के व्यायाम के लिए बनाया गया है। यहां प्रोफेशनल बॉडी बिल्डिंग जैसी प्रैक्टिस नहीं होती। कोई फिजियो या ट्रेनर भी नहीं है। IIT रोपड़ की मैनेजमेंट ने इसे एक एक्सीडेंट करार दिया है। स्टूडेंट के निधन पर शोक जताया है। वर्कआउट के दौरान उसके कान से खून निकलना शुरू हुआ और वो बेसुध होकर गिर पड़ा। उसे गार्ड एम्बुलेंस के जरिए IIT के मेडिकल सेंटर ले गए।

# त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का वृहद् पुनरीक्षण

## दावे-आपत्तियों का निस्तारण 7 जनवरी से, अंतिम प्रकाशन 28 मार्च को

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। जिला मजिस्ट्रेट / जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) चंद्र प्रकाश सिंह के अनुसार राज्य निर्वाचन आयोग उ०प्र० लखनऊ एवं राज्य निर्वाचन आयुक्त उत्तर प्रदेश के द्वारा त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद् पुनरीक्षण हेतु आंशिक संशोधन समय सारिणी के अनुसार कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान किये गये है। दावे/आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त हस्तलिखित पाण्डुलिपियाँ तैयार करना, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा करना एवं संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन / निस्तारण की कार्यवाही करने की अवधि दिनांक 07 जनवरी 2026 से 20 फरवरी 2026 तक है। मतदाता सूचियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग, मतदाता क्रमांकन, SVN आवंटन, मतदाता सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियाँ कराने आदि हेतु दिनांक 17 मार्च 2026 से 27 मार्च 2026 तक है। निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिये अन्तिम प्रकाशन दिनांक 28 मार्च 2026 को किया जाएगा। निम्नांकित समय सारिणी के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद् पुनरीक्षण हेतु अग्रेतर कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि निर्वाचक नामवली के वृहद् पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेंगें तथा निर्धारित समय सारिणी के अनुसार निर्वाचक नामावली के वृहद् पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण कराया जायेगा।

**फास्ट न्यूज**

### लखीमपुर खीरी में सड़क सुरक्षा रैली

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी में सड़क सुरक्षा माह के तहत गुरुवार को परिवहन विभाग द्वारा एक सड़क सुरक्षा रैली का आयोजन किया गया। सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा के संदेश के साथ निकली इस रैली को अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) अनिल कुमार रस्तोगी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में सिटी मॉन्टेसरी इंटर कॉलेज की जागरूकता एक्सप्रेस, बाइक रैली और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की सजी-धजी कारें शामिल थीं।

### बौद्ध विहार में पंचशील झंडा जलाया गया

गाजीपुर। गाजीपुर के छावनी लाइन स्थित बौद्ध विहार में अज्ञात लोगों ने पंचशील झंडा जला दिया और परिसर में तोड़फोड़ की। इस घटना के बाद स्थानीय निवासियों ने जिलाधिकारी अविनाश कुमार और पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा से मिलकर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 5 बजे जब वे टहलने निकले, तो उन्होंने देखा कि बौद्ध विहार परिसर में लगे और गुंबज पर फहराए गए पंचशील झंडों को उखाड़कर झाड़ियों में जला दिया गया था।

### महिला से अभद्रता मामले में कानूनगो निलंबित

मुरादाबाद। चकबंदी कार्यालय में महिला कर्मचारी से छेड़खानी के आरोपों का मामला गरमा गया है। जिलाधिकारी ने आरोपी कानूनगो होशियार सिंह को निलंबित कर दिया है। हालांकि, गंभीर आरोपों के बावजूद पुलिस ने अब तक प्राथमिकी (FIR) दर्ज नहीं की है, जिससे पीड़ित महिला को लगातार कोतवाली के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। पीड़िता ने 2 जनवरी को एसडीएम कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी।

# आईपीईसी- टीबीआई और साहिबाबाद इंडस्ट्री ने एमओयू साइन

## द्योगझअकादमिक और स्टार्टअप इकोसिस्टम को सशक्त बनाने के लिए समझौता

तमसा संकेत, संवाददाता

साहिबाबाद। आईपीईसी-टीबीआई फाउंडेशन और साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनपर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीएसआईडीए) की उपस्थिति और सक्रिय सहयोग में संपन्न हुआ, जिसका उद्देश्य उद्योग-अकादमिक-स्टार्टअप इकोसिस्टम को सशक्त बनाना है। एसआईए की जनरल बॉडी मीटिंग में आईपीईसी-टीबीआई की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रियंका गुप्ता को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उद्योग, स्टार्टअप्स और एमएसएमई सेक्टर के लिए नवाचार-आधारित सहयोगात्मक पहलों, मेंटरशिप, तकनीक सक्षम समाधान तथा सहभागिता के विभिन्न

अवसरों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। बैठक के दौरान उद्योग जगत की वर्तमान चुनौतियों और उनके समाधान हेतु संभावित नवाचारी तकनीकी उपायों पर भी गहन चर्चा की गई, जिससे शिक्षा, उद्योग और उद्यमिता के बीच साझा मूल्य सृजन की दिशा में ठोस पहल संभव हो सके। विचार-विमर्श के उपरांत दोनों संस्थाओं के बीच रणनीतिक साझेदारी को औपचारिक रूप देते हुए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के प्रमुख उद्देश्य उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत करना, नवाचार-आधारित पहलों को बढ़ावा देना, स्टार्टअप्स एवं एमएसएमई को मेंटरशिप व तकनीकी सहयोग प्रदान करना तथा सतत उद्यमशील विकास के लिए प्रभावी मार्ग तैयार करना हैं। एमओयू हस्ताक्षर समारोह में साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के पदाधिकारियों, गवर्निंग बॉडी सदस्यों, यूपीएसआईडीए के अधिकारियों एवं लगभग 15 प्रमुख औद्योगिक विशेषज्ञों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

### नाबालिग युवती का आपत्ति जनक वीडियो वायरल करने का आरोपी गिरफ्तार

हल्दौर। थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग युवती से जुड़ा आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के ही एक युवक ने युवती का वीडियो बनाकर उसे वायरल कर दिया। घटना की जानकारी होने पर आक्रोशित परिजनों ने युवक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। बताया गया है कि थाना क्षेत्र निवासी नाबालिग युवती और आरोपी युवक पूर्व में एक-दूसरे को जानते थे। पुलिस के अनुसार दोनों कक्षा आठ में साथ पढ़ चुके हैं। आरोप है कि युवक ने युवती का आपत्तिजनक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित कर दिया। जब यह बात युवती के परिजनों को पता चली तो उन्होंने तत्काल युवक को पकड़ लिया और मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को अपने कब्जे में ले लिया।

# वरिष्ठ नागरिक समिति ने जरूरतमंदों को बांटे गर्म लिहाफ

## शीतकाल में असहायों तक मदद पहुंचाने का अनूठा प्रयास

तमसा संकेत, एजेंसी

झालू। ठंड के बढ़ते प्रकोप के बीच जरूरतमंदों को राहत देने की पहल करते हुए वरिष्ठ नागरिक जन कल्याण समिति, झालू ने आर्य समाज परिसर में मानवीय सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में आर्थिक रूप से कमजोर एवं असहाय 22 लोगों को गर्म लिहाफ प्रदान किए गए। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों चंद्रपाल सिंह, महेन्द्र धीमान, मुकेश वर्मा, विजयपाल जोशी, डॉ. जी.सी. राय बंगाली और रामेन्द्र सिंह, चंद्रपाल सिंह, ओमपाल सिंह, जयपाल सिंह, चांद बाबू आदि ने कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक मदद पहुंचाना ही समिति की प्राथमिकता

है। उन्होंने बताया कि शीत ऋतु में गरीबों को ठंड से बचाने के लिए ऐसे सेवा कार्य लगातार किए जाएंगे। लिहाफ पाकर संतोष देवी, नीरज देवी, राजो देवी, रूमा, मुनेश, सुरजो, नसीमा सहित सभी 22 जरूरतमंदों के चेहरों पर खुशी झलक उठी और उन्होंने समिति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम में समिति के अन्य सदस्य एवं आर्य समाज के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

# परचून दुकानदार की पीट-पीटकर हत्या

## तार डालने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो रहा था, बीच-बचाव करने गया तो पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

फतेहाबाद (आगरा)। आगरा जनपद के फतेहाबाद क्षेत्र में गुरुवार सुबह बिजली के तार डालने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना बमरौली कटारा थाना क्षेत्र के पावावली गांव की है, जहां बीच-बचाव करने पहुंचे भूरी सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव और शोक का माहौल है। विवाद और शोरगुल सुनकर पास में ही रहने वाले 50 वर्षीय भूरी सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों को समझाने और गाली-गलौज बंद कराने का प्रयास किया। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर रामकिशन और बाचा राम ने भूरी सिंह पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में भूरी सिंह को गंभीर चोटें आईं। स्थानीय

### पत्थून की दुकान चलाकर करते थे गुजारा

मृतक भूरी सिंह गांव में परचून की दुकान चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी कोई संतान नहीं थी, जिस कारण उन्होंने अपने बड़े भाई के बेटे को गोद लिया था। उनकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हत्या की खबर फैलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही बमरौली कटारा थाना प्रभारी हरीश कुमार शर्मा पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। पुलिस ने

### बिजली के खंभे से तार डालने को लेकर हुआ विवाद

*जानकारी के अनुसार, पावावली गांव निवासी पूनम और गोलो गुरुवार सुबह करीब सात बजे बिजली के खंभे से अपने घर की ओर तार डाल रही थीं। इसी दौरान गांव के ही रामकिशन और बाचा राम ने इसका विरोध किया। पहले कहासुनी हुई, फिर मामला गाली-गलौज तक पहुंच गया।*

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए आगरा भेज दिया है। शोर सुनकर पास में ही रहने वाले 50 वर्षीय भूरी सिंह मौके पर पहुंचे और विवाद शांत कराने का प्रयास किया। उन्होंने आरोपियों को गाली देने से मना किया, जिससे नाराज होकर आरोपियों ने भूरी सिंह पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में भूरी सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। बताया गया कि भूरी सिंह गांव में परचून की दुकान चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनकी कोई संतान

### तहरीर का इंतजार, कार्रवाई का आश्वासन

थानाध्यक्ष हरीश कुमार शर्मा ने बताया कि फिलहाल पीड़ित पक्ष की ओर से कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलते ही मामले में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

नहीं थी और उन्होंने अपने बड़े भाई के बेटे को गोद लिया था। उनकी मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

# कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक

## मोहन भागवत से मिलने का प्रयास विफल, होली गेट पर तनाव

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मिलने वृंदावन जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने मथुरा के होली गेट पर रोक लिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक और झड़प की स्थिति उत्पन्न हो गई। जैसे ही पुलिस ने बैरिकेटिंग लगाकर कार्यकर्ताओं को रोका, मौके पर नारेबाजी शुरू हो गई और माहौल कुछ देर के लिए तनावपूर्ण हो गया। इस दौरान मुकेश धनगर कुंवर सिंह निषाद राजन पाठक हरवीर सिंह पुंडीर संदीप हिंडोल आदित्य तिवारी अश्वनी शुक्ला प्रवीन ठाकुर हर्ष चौरसिया दुर्गेश बघेल हरीश पचौरी प्रदीप सागर प्रमोद शर्मा धीरज शर्मा आशीष अग्रवाल राशिद खान हाकिम सिंह छोकर ललिता देवी आशा चौधरी

अनाम धन्य तिवारी उमाशंकर शर्मा रमेश कश्यप जिलानी कादरी रवि वाल्मीकि हाशिम हुमेर दीपक आर्य शैलेंद्र चौधरी राजा गौतम टिंकू धनगर बालवीर सिंह राजरानी निमेष सुनील बाल्मीकि विशाल वाल्मीकि लक्ष्य गौड़ राकेश शुक्ला हरिओम उपाध्याय अमित राज महेश चौबे नितिन वार्ष्णेय अशोक निषाद करन निषाद पूरन सिंह अनवर फारुकी शाहरुख खान अजीम शाह बंटी दिवाकर अर्पित जादौन अनिल खरे राजेश कुमार विवेक कुमार सहित सैकड़ो की संख्या मे कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पृष्ठ 01 का शेष...

### जनगणना 2027 ...

सरकार ने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। करीब 30 लाख कर्मचारी मोबाइल एप के जरिए जानकारी जुटाएंगे। मोबाइल एप, पोर्टल और रियल टाइम डेटा ट्रांसफर से जनगणना बहुत हद तक पेपरलेस होगी। ये ऐप Android और iOS दोनों पर काम करेंगे। जाति से जुड़ा डेटा भी डिजिटल तरीके से इकट्ठा किया जाएगा। आजादी के बाद पहली बार जनगणना में जाति की गिनती शामिल होगी। इससे पहले अंग्रेजों के समय 1931 तक जाति आधारित जनगणना हुई थी। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ने अप्रैल में लिया था। 2011 की पिछली जनगणना के अनुसार, भारत की आबादी करीब 121 करोड़ थी, जिसमें लगभग 51.5% पुरुष और 48.5% महिलाएं थीं।

### प्रधानमंत्री जी अपने ...

यहां भी राज्य की पुलिस की मदद से अहम सबूत जबरन अपने साथ ले गईं। प्रतीक जैन ममता की पार्टी टीएमसी के आईटी सेल के हेड भी हैं। ममता ने इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया और कहा- मुझे माफ करें प्रधानमंत्री जी, कृपया अपने गृह मंत्री को कंट्रोल करें। इस कार्रवाई के विरोध में ममता कल 2 बजे मार्च निकालेंगी। सबूतों से छेड़छाड़ के मामले में ED ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उधर, I-PAC ने भी सर्च की वैधता को चुनौती दी है। मामले की सुनवाई शुक्रवार को जस्टिस सुवरा घोष की बेंच में होगी। वहीं, प्रतीक जैन के परिवार ने शेक्सपीयर सरानी पुलिस स्टेशन में ED अधिकारियों के खिलाफ महत्वपूर्ण दस्तावेजों की चोरी का आरोप लगाते हुए शिकायत कराने का फैसला किया है। ED ने गुरुवार को मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रतीक जैन के घर और ऑफिस में छापेमारी की। यह कार्रवाई सुबह 6 बजे से शुरू हुई थी, लेकिन करीब 11:30 बजे के बाद मामला बढ़ा। सबसे पहले कोलकाता पुलिस कमिश्नर, प्रतीक के आवास पर पहुंचे। कुछ समय बाद सीएम ममता बनर्जी खुद लाउडन स्ट्रीट स्थित उनके घर पहुंच गईं। ममता वहां कुछ देर रुकीं। जब बाहर निकलीं, तो उनके हाथ में एक हरी फाइल दिखाई दी। इसके बाद वे I-PAC के ऑफिस भी गईं। उन्होंने कहा- गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे हैं। ED ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 6 और दिल्ली में 4 ठिकानों पर छापेमारी की गई। मुझे माफ करें प्रधानमंत्री जी, कृपया अपने गृह मंत्री को कंट्रोल करें। अगर आप (BJP) हमसे लड़ नहीं सकते, तो आप बंगाल क्यों आ रहे हैं? हमें लोकतांत्रिक तरीके से हराइए। आप हमारी एजेंसियों का इस्तेमाल हमारे कागजात, हमारी रणनीति, हमारे वोटर्स, हमारे डेटा, हमारे बंगाल को लूटने के लिए कर रहे हैं। यह सब करके, आपको जितनी सीटें मिल रही थीं, वे घटकर जीरो हो जाएंगी। ED ने कहा कि कोलकाता में I-PAC के ठिकानों पर छापे पूरी तरह सबूतों के आधार पर किए जा रहे हैं। यह किसी राजनीतिक दल या चुनाव से जुड़ा मामला नहीं है। यह कार्रवाई हवाला, अवैध कोयला तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े केस में हो रही है। ED ने बताया कि कार्रवाई 2020 में CBI के दर्ज उस मामले से जुड़ी है, जो अनुप माजी उर्फ लाला के कोयला तस्करी सिंडिकेट से जुड़ा है। आरोप है कि सिंडिकेट ने पूर्वी कोलफील्ड्स के आसनसोल और आसपास के (पश्चिम बर्धमान) इलाकों में कोयले की चोरी और अवैध खुदाई की। ED का दावा है कि कोयला तस्करी से जुड़े एक हवाला ऑपरेटर ने Indian PAC Consulting Pvt Ltd (I-PAC) को करोड़ रुपए के लेनदेन कराए। एजेंसी के अनुसार, I-PAC भी हवाला धन से जुड़ी इकाइयों में शामिल है। ED ने कहा कि कार्रवाई शांतिपूर्ण और पेशेवर ढंग से चल रही थी, लेकिन ममता बनर्जी के बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारियों के साथ पहुंचने के बाद जांच में रुकावट पैदा हुई। आप हमारी एजेंसियों का इस्तेमाल हमारे कागजात, हमारी रणनीति, हमारे वोटर्स, हमारे डेटा, हमारे बंगाल को लूटने के लिए कर रहे हैं। यह सब करके, आपको जितनी सीटें मिल रही थीं, वे घटकर जीरो हो जाएंगी। ED ने कहा कि कोलकाता में I-PAC के ठिकानों पर छापे पूरी तरह सबूतों के आधार पर किए जा रहे हैं। यह किसी राजनीतिक दल या चुनाव से जुड़ा मामला नहीं है।

### सपा विधायक का ...

लेकिन, बाद में विजय सिंह ने अपने गुरु को ही हराकर इतिहास रचा था। विधायक विनय गोंड दो महीने से पीजीआई में भर्ती थे। उनकी सेहत में कोई सुधार नहीं हो रहा था। डॉक्टरों के मुताबिक हर दिन डायलिसिस हो रही थी। निधन के बाद उनका पार्थिव शरीर लखनऊ पीजीआई से दोपहर को दुद्धी के लिए भेजा गया है। जो देर रात तक पहुंचने की संभावना है। जिला पंचायत सदस्य व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व बघाडू जुबैर आलम ने बताया- आज एक युग का अंत हो गया है। वो ऐसी शख्सियत थे जो गलत को गलत कहने की हिम्मत रखते थे। नेता जी जब सीएम थे तो उन्होंने जिद करके दुद्धी में पार्टी कार्यालय खुलवाया था। विधायक ने जिले में सड़कें, नाली, स्कूल और कई अस्पताल बनवाए।

### जजकैश कांड : सुप्रीम ...

इसके बाद के घटनाक्रम में उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा (जस्टिस वर्मा की ओर से)- सभापति की अनुपस्थिति में उपसभापति उनके काम कर सकते हैं, लेकिन जजेज इंक्वायरी एक्ट के तहत सभापति को जो अधिकार मिले हैं, उन्हें उपसभापति इस्तेमाल नहीं कर सकते। नए सभापति की नियुक्ति तक मामले को रोकना संभव था। वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी (जस्टिस वर्मा की ओर से) - जजेज इंक्वायरी एक्ट में केवल लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति का ही नाम है। इसमें उपसभापति शामिल नहीं हैं। उपसभापति की ओर से प्रस्ताव खारिज करना कानून के खिलाफ है, यानी 'अल्ट्रा वायर्स' है। 7 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनल कमेटी की रिपोर्ट और CJI खन्ना की सिफारिश के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद जस्टिस वर्मा ने 1968 के जज जांच कानून के तहत शुरू हुई कार्रवाई को चुनौती देते हुए नई याचिका दायर की है। लोकसभा अध्यक्ष ने जज (जांच) कानून 1968 की धारा 3(2) के तहत के जांच पैनल बनाया, जिसे संविधान के खिलाफ बताया गया है। याचिका में 12 अगस्त 2025 की लोकसभा स्पीकर की कार्रवाई को असंवैधानिक घोषित कर रद्द करने की मांग की गई है। जस्टिस वर्मा के वकील ने कहा कि जज को हटाने से जुड़े प्रस्ताव लाने से पहले लोकसभा और राज्यसभा दोनों मिलकर जांच समिति बनाएं सिर्फ लोकसभा स्पीकर अकेले यह कमेटी न बनाए। इससे पहले तीन हाईकोर्ट जजों की जांच में जस्टिस वर्मा दोषी पाए गए और उन्हें हटाने की सिफारिश हुई थी। इसके बाद सरकार ने संसद में महाभियोग प्रस्ताव रखा, जिसे 146 सांसदों के समर्थन के साथ अध्यक्ष ने मंजूर कर लिया। जस्टिस दत्ता ने पूछा था- राज्यसभा में प्रस्ताव नामंजूर हुआ फिर भी लोकसभा में समिति बनाई गई। संसद में इतने सारे सांसद और कानूनी विशेषज्ञ मौजूद थे, लेकिन किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, संसद में मौजूद कानूनी विशेषज्ञों ने इसे होने कैसे दिया? उपसभापति की ओर से प्रस्ताव खारिज करना कानून के खिलाफ है, यानी 'अल्ट्रा वायर्स' है। 7 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनल कमेटी की रिपोर्ट और CJI खन्ना की सिफारिश के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद जस्टिस वर्मा ने 1968 के जज जांच कानून के तहत शुरू हुई कार्रवाई को चुनौती देते हुए नई याचिका दायर की है। लोकसभा अध्यक्ष ने जज (जांच) कानून 1968 की धारा 3(2) के तहत के जांच पैनल बनाया, जिसे संविधान के खिलाफ बताया गया है। याचिका में 12 अगस्त 2025 की लोकसभा स्पीकर की कार्रवाई को असंवैधानिक घोषित कर रद्द करने की मांग की गई है।

## 21 दिन सदमे में रही, बोली- परफॉर्मेंस पर बात करने के बहाने फरीदाबाद के होटल में बुलाया

# नाबालिग शूटर से रेप, आरोपी नेशनल कोच सस्पेंड

**कार्यवाई**

फरीदाबाद, एजेंसी

हरियाणा के फरीदाबाद की एक नाबालिग शूटर ने कोच पर रेप का आरोप लगाया है। शूटर का कहना है कि कोच ने उसकी परफॉर्मेंस पर बात करने के बहाने फरीदाबाद की फाइव स्टार होटल के रूम में बुलाकर उसके साथ रेप किया। इस घटना के बारे में किसी को बताने पर उसका करियर खत्म करने की भी धमकी दी। नाबालिग करीब 20 दिनों तक सदमे में रही। इसके बाद उसने हिम्मत जुटाकर अपनी मां को पूरी घटना बताई। 6 जनवरी को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। फरीदाबाद पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में होटल के स्टाफ से भी पूछताछ की जा रही है। उधर, मामले में संज्ञान लेते हुए नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने आरोपी कोच अंकुश भारद्वाज को सस्पेंड कर दिया है। एसोसिएशन का कहना है कि जब तक जांच पूरी नहीं होगी, अंकुश सस्पेंड रहेंगे। नोएडा की एक कॉलोनी की रहने वाली नाबालिग शूटर ने 6 जनवरी को फरीदाबाद के एनआईटी महिला पुलिस स्टेशन में कोच अंकुश भारद्वाज के खिलाफ रेप की शिकायत दी। उन्होंने आरोप लगाया कि 16 दिसंबर को दिल्ली की डा. करणी सिंह शूटिंग रेंज में एक नेशनल लेवल की शूटिंग प्रतियोगिता चल रही थी। शराब पार्टी करीब 9 बजे हुई, जबकि लोकल पुलिस को तड़के 3 बजे कॉल की गई। यह कॉल पीड़िता ने ही की। ऐसे में अंदाजा है कि करीब 6 घंटे मदहोश रहने के बाद जब उसे होश आया तो उसने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी।

शूटिंग कोच अंकुश भारद्वाज पर नाबालिग ने रेप का आरोप लगाया है।

### 20 दिन तक सदमे में रही खिलाड़ी

परिवार का कहना है कि इस हादसे के बाद उनकी बेटी किसी से बात नहीं करती थी। अपनी प्रेक्टिस पर भी ध्यान नहीं दे पा रही थी। करीब 20 दिनों तक उसने परिवार से यह बात छिपाए रखी। मां ने बताया कि हिम्मत करके उसने मुझे सारी बात बताई। पीड़ित 2017 से शूटिंग की प्रैक्टिस कर रही है, जबकि जुलाई 2025 से ही कोच अंकुश के पास ट्रेनिंग शुरू की थी।

**16 दिसंबर को 5 बजे के करीब दिल्ली बार्डर स्थित डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में मैच खत्म होने के बाद ज्योति ने अपने बॉयफ्रेंड गौरव (23) को कॉल कर बुलाया। गौरव कार लेकर पहुंचा। कार में उसके साथ दोस्त सतेंद्र (28) भी था। वे पीड़िता और ज्योति को लेकर शूटिंग रेंज से निकल पड़े, लेकिन रास्ते में ही ज्योति ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पार्टी करने का प्लान बना दिया। जिस होटल में शूटर के साथ रेप हुआ, उसमें पहले पार्टी हुई।**

फरीदाबाद में कोच ने नाबालिग शूटर से होटल के रूम में रेप किया।

### मामले की जांच कर रही पुलिस

फरीदाबाद पुलिस प्रवक्ता यशपाल यादव ने बताया कि लड़की की मां की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। होटल से सीसीटीवी फुटेज जुटाए जा रहे हैं। लड़की की काउंसिलिंग भी कराई जाएगी। फरीदाबाद की इस नाबालिग शूटर के साथ वारदात होने से पहले ऐसा ही एक मामला भिवानी की शूटर के साथ भी हो चुका है। फरीदाबाद के होटल में भिवानी की 22 वर्षीय लेडी शूटर के साथ भी रेप हुआ था।

## एसए20 में प्रिटोरिया ने डरबन को 15 रन से हराया

### शाई होप की टी-20 करियर की पहली सेंचुरी

नई दिल्ली, एजेंसी

SA20 टी-20 लीग में बुधवार को किंग्समीड स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में प्रिटोरिया कैपिटल्स ने डरबन सुपर जायंट्स को 15 रन से हरा दिया। शाई होप के शतक और लुंगी एनगिडी की हैट्रिक की बदौलत डरबन 202 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 186 रन पर सिमट गई। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला करने वाली डरबन सुपर जायंट्स के खिलाफ प्रिटोरिया कैपिटल्स ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 201 रन बनाए। ओपनर शाई होप और कॉनर एस्टरहुइजन के बीच पहले विकेट के लिए 101 रन की साझेदारी हुई। एस्टरहुइजन ने 28 गेंदों पर 37 रन बनाए, जबकि वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज शाई होप ने टी-20 करियर का पहला शतक जड़ा। होप 69 गेंदों पर 118 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी पारी में 9 चौके और 9 छक्के शामिल रहे। यह SA20 लीग का अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। होप ने इसके बाद रोस्टन चेस के साथ 85 रन जोड़े। अंतिम ओवरों में तेजी लाने के लिए चेस को रणनीतिक रूप से 'रिटायर्ड आउट' किया गया। SA20 लीग के इतिहास में यह पहला मौका था जब किसी बल्लेबाज को रिटायर्ड आउट किया गया। 202 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी डरबन की शुरुआत खराब रही। 10 ओवर में टीम 90 रन पर 3 विकेट गंवा चुकी थी। मार्केस एकरमैन (27), केन विलियमसन (12) और एडन मार्करम (16) अच्छी शुरुआत के बाद आउट हो गए।

## सिडनी में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 5 विकेट से हराया

### एशेज सीरीज 4-1 से जीता, उस्मान ख्वाजा का आखिरी इंटरनेशनल मैच

नई दिल्ली, एजेंसी

एशेज सीरीज 2025–26 के सिडनी में खेले गए पांचवें और आखिरी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 5 विकेट से हराकर सीरीज 4–1 से अपने नाम कर ली। इंग्लैंड ने दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के सामने 160 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे मेजबान टीम ने पांचवें दिन टी ब्रेक से पहले ही हासिल कर लिया। वहीं उस्मान ख्वाजा ने अपने करियर का आखिरी टेस्ट खेला। ख्वाजा ने सिडनी टेस्ट से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। मैच के अंतिम दिन इंग्लैंड ने 8 विकेट पर 302 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन पूरी टीम 342 रन पर ऑलआउट हो गई। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 160 रन का टारगेट मिला। इससे पहले इंग्लैंड ने पहली पारी में 384 रन बनाए थे, जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 567 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और 183 रन की बढ़त हासिल की। ऑस्ट्रेलिया की इस पारी में स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड ने शतक जमाए। ट्रैविस हेड प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 163 रनों की पारी खेली थी। वहीं, मिचेल स्टार्क प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। उन्होंने इस सीरीज में सर्वाधिक 31 विकैट लिए। उनके अलावा कोई भी गेंदबाज 25 विकेट तक नहीं पहुंच पाया। ब्रायडन क्रॉस 22 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर रहे। स्टार्क ने इस सीरीज में सर्वाधिक 153.1 ओवर डाले, जिसमें उनका औसत सबसे कम 19.93 का रहा। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। टीम ने 121 रन तक पहुंचते-पहुंचते 5 विकेट गंवा दिए। मार्नस लाबुशेन 37 रन बनाकर रनआउट हुए। जेक वेदराल्ड ने 40 गेंदों में 34 रन बनाए। यह टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलियाई ओपनर उस्मान ख्वाजा के करियर का आखिरी टेस्ट था। उन्होंने दूसरी पारी में सिर्फ 6 रन बनाकर आउट हो गए और टीम ने 119 रन पर चौथा विकेट गंवाया। ख्वाजा के आउट होते ही सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में मौजूद दर्शक खड़े होकर तालियां बजाने लगे।

## टी-20 वर्ल्डकप की टीम में भी शामिल हैं, एशिया कप में भारत को चैंपियन बनाया था

# तिलक वर्मा की सर्जरी हुई, न्यूजीलैंड सीरीज से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत को चैंपियन बनाने वाले तिलक वर्मा की सर्जरी हुई है। PTI की रिपोर्ट के अनुसार, तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं, जो 21 जनवरी से शुरू होगी। हालांकि, इस मामले में BCCI ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। एशिया कप फाइनल में तिलक ने नाबाद 69 रन की शानदार पारी खेली थी और भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उनकी चोट को टी-20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वर्ल्ड कप के शुरुआती एक-दो मैचों में भी उनके खेलने पर संदेह बना हुआ है। जांच और स्कैन में पता चला कि तिलक को टेस्टिकुलर टॉर्शन की समस्या हुई थी, जिसमें अचानक बहुत तेज दर्द होता है। डॉक्टरों ने बिना देरी किए सर्जरी की सलाह दी। भारत अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत 7 फरवरी को मुंबई में USA के खिलाफ करेगा।

### यही टीम टी-20 वर्ल्ड कप में भी खेलेगी

न्यूजीलैंड के खिलाफ चुनी गई भारतीय टीम को ही टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भी चुना गया है। टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी को कोलंबो में होगी, जहां पहला मैच पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच खेला जाएगा। इसी दिन भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला USA के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में खेलेगी। टूर्नामेंट का फाइनल 8 जबकि फाइनल का वेन्यू बाद में घोषित किया जाएगा।

### टेस्टिकुलर टॉर्शन की समस्या

7 जनवरी की सुबह राजकोट में नाश्ता करने के बाद तिलक को शरीर के निचले हिस्से में अचानक तेज दर्द हुआ। इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच के बाद उनकी सर्जरी की गई। उस समय तिलक विजय हजारे ट्रॉफी के लिए हैदराबाद टीम के साथ राजकोट में थे।

### तिलक की सर्जरी सफल रही

हमने अपने विशेषज्ञ डॉक्टरों से सलाह ली और वे भी सर्जरी के फैसले से सहमत थे। तिलक की सर्जरी सफल रही है उन्होंने आगे बताया कि मेडिकल पैनल से चर्चा के बाद तिलक की रिकवरी जैसे ही कोई जानकारी मिलेगी, उसे साझा किया जाएगा।

तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए भारतीय स्क्वॉड का हिस्सा हैं।

### न्यूजीलैंड टी-20 सीरीज और टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उपकप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

## मनोरंजन

## फिल्म धुरंधर के बैन पर पीएम मोदी को पत्र

### आईएमपीपीए ने छह देशों में फिल्म पर लगी रोक हटाने के लिए सरकार से अपील की

मुंबई, एजेंसी

इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (IMPPA) ने पीएम नरेंद्र मोदी से फिल्म धुरंधर के बैन के मामले में दखल देने की अपील की है। एसोसिएशन ने कहा है कि इस फिल्म पर कुछ मिडिल ईस्ट देशों में लगाया गया बैन सही नहीं है। IMPPA ने अपने पत्र में कहा कि फिल्म पर यूएई, सऊदी अरब, कतर, ओमान, कुवैत और बहरीन में रोक लगाई गई है। एसोसिएशन का कहना है कि यह फैसला एकतरफा है और इसे जल्द हटाया जाना चाहिए। इसके लिए सरकार से कूटनीतिक स्तर पर बात करने की मांग की गई है। एसोसिएशन ने यह भी बताया कि धुरंधर को भारत में सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से मंजूरी मिली थी। फिल्म रिलीज के बाद बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही। IMPPA का कहना है कि विदेशों में बैन से अभिव्यक्ति की आजादी पर असर पड़ता है। साथ ही इससे विदेशी बाजार में काम करने वाले भारतीय फिल्म निर्माताओं को नुकसान होता है। पत्र में यह भी कहा गया है कि जिन देशों में फिल्म पर बैन लगा है, वे भारत के दोस्त देश माने जाते हैं। भारत के इन देशों के साथ सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्ते लंबे समय से रहे हैं। भारतीय फिल्म निर्माता इन इलाकों में नियमित रूप से बिजनेस करते हैं।

## एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर पहली झलक दिखाते हुए लिखा-हमारी रोशनी की किरण विहान कौशल

# कटरीना कैफ-विक्की कौशल ने बेटे का नाम रिवील किया

मुंबई, एजेंसी

कटरीना कैफ और विक्की कौशल पिछले साल सात नवंबर को पेरेंट्स बने थे। अब कपल ने बेटे के जन्म के दो महीने बाद उसका नाम रिवील किया है। कटरीना-विक्की ने बेटे का नाम विहान कौशल रखा है। कटरीना कैफ ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी, विक्की और बेटे के हाथ की फोटो शेयर करते हुए लिखा- 'हमारी रोशनी की किरण...विहान कौशल। हमारी प्रार्थनाएं सुनी गईं। जीवन खूबसूरत है। पल भर में हमारी दुनिया बदल गई। शब्दों से परे आभार।' कपल के इस पोस्ट पर इंडस्ट्री और फैंस से खूब प्यार मिला रहा है।

### शादी के चार साल बाद पेरेंट्स बना कपल

इससे पहले सात नवंबर को विक्की कौशल और कटरीना ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि उनको एक बेटा हुआ है। कटरीना और विक्की ने अपनी पोस्ट में लिखा- 'हमारी खुशियों का छोटा सा तोहफा आ गया है।

*"बता दें कि कटरीना कैफ ने 23 सितंबर के महीने में मां बनने की घोषणा की थी। इंस्टाग्राम पर कटरीना कैफ ने एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वो और विक्की कौशल बेबी बंप थामे हुए नजर आए थे। इसके साथ कटरीना ने लिखा था- 'हम जिंदगी का सबसे अच्छा चैप्टर शुरू करने जा रहे हैं, दिल खुशी और आभार से भरे हुए हैं।'*

## एक्ट्रेस कृति सेनन बहन की शादी के लिए उदयपुर आईं

### बॉयफ्रेंड भी साथ दिखे, 9 जनवरी से शुरू होंगी रस्में

उदयपुर, एजेंसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी बहन की शादी के लिए बुधवार को उदयपुर पहुंचीं। उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर भी साथ दिखे। कृति की बहन एक्ट्रेस नूपुर सेनन और सिंगर स्टेबिन की शादी होटल फेयरमोंट पैलेस में 11 जनवरी को होगी। शादी को लेकर कपल और रिश्तेदार शाम 6 बजे चार्टर से डबोक एयरपोर्ट पहुंचे। शादी के फंक्शन 9 जनवरी से शुरू हो जाएंगे। वहीं 11 जनवरी को दोनों विवाह बंधन में बंधेंगे। शादी रॉयल तरीके से होगी। इसमें दोनों के करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य ही शामिल होंगे। कृति सेनन, उनकी बहन नूपुर और स्टेबिन के एयरपोर्ट पहुंचने पर ढोल-नगाड़ों से उनका स्वागत किया गया। उनके साथ फोटो क्लिक कराने के लिए फैंस खासा उत्साहित दिखे। यहां से सभी होटल के लिए रवाना हो गए।

- नूपुर की बड़ी बहन एक्ट्रेस कृति सेनन डबोक एयरपोर्ट से गाड़ी में बैठकर होटल रवाना हुईं।
- एक्ट्रेस कृति सेनन एयरपोर्ट पर अपने रुमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर के साथ दिखीं।

## स्क्रिप्ट पढ़ने की मांग के चलते हाथ से 7 फिल्में निकलीं, केजीएफ सीरीज से पैन-इंडिया स्टार बने

# 40 साल के हुए यश

मुंबई, एजेंसी

सुपरस्टार यश ने अपने संघर्ष, मेहनत और दमदार एक्टिंग के दम पर भारतीय सिनेमा में एक खास मुकाम हासिल किया है। KGF और KGF 2 जैसी फिल्मों ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड बनाए, बल्कि करोड़ों दर्शकों के दिलों पर भी राज किया। हालांकि इतनी बड़ी सफलता का सफर यश के लिए आसान नहीं था। एक नॉन-फिल्मी परिवार से आने वाले यश के पिता ड्राइवर थे और फिल्मों तक उनका रास्ता थिएटर से होकर गुजरा। संघर्ष के दिनों में उन्होंने चाय परोसने तक का काम किया। कर्नाटक में जन्मे यश का असली नाम नवीन कुमार गौड़ा है। परिवार से उन्हें दो नाम मिले। लीगल नाम नवीन रखा गया, जबकि मां की तरफ के परिवार ने उनका नाम यशवंत रखा।

### टेलीविजन से करियर की शुरुआत

यश ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत टेलीविजन सीरियल्स से की थी। साल 2004 में उन्होंने टीवी सीरियल उत्तरायण से डेब्यू किया। इसके बाद वह नंदा गोकुला, माले बिल्लू और प्रीति इल्लादा मेले जैसे सीरियल्स में नजर आए। शो नंदा गोकुला के दौरान ही उनकी मुलाकात एक्ट्रेस राधिका पंडित से हुई, जो बाद में उनकी लाइफ पार्टनर बनीं।

### थिएटर के दौरान फर्श तक साफ किए

अनुपमा चोपड़ा को 2022 में दिए इंटरव्यू में यश ने बताया था कि थिएटर ने उनके भीतर बैठे अहंकार को तोड़ा और उन्हें जिंदगी को सही नजर से देखने की समझ दी। एक्टर ने बताया था कि कॉलेज के दिनों में वह काफी लापरवाह और गैर-जिम्मेदार थे। उस उम्र में उनके अंदर बहुत रॉ एनर्जी थी। वह हर जगह अलग दिखना चाहते थे। क्लास में हों या कॉलेज के बाहर, वह हमेशा कुछ हटकर करने की कोशिश में रहते थे। पीछे मुड़कर देखने पर उन्हें लगा कि वह एक लार्जर दैन लाइफ इंसान बनने की कोशिश कर रहे थे। लड़कियां उनकी तरफ देख रही हैं और उनका एक मजबूत गैंग है, जिससे कोई टकरा नहीं सकता।

*"यश के पिता अरुण कुमार ने पहले कर्नाटक स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन और बाद में बेंगलुरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन में ड्राइवर के तौर पर काम किया। मां पुष्पा हाउसवाइफ थीं। उनकी एक छोटी बहन नंदिनी हैं, जिनकी शादी एक कंप्यूटर इंजीनियर से हुई है। बचपन में यश ने अपने परिवार के साथ एक छोटी किराना दुकान भी संभाली थी।"*

# दोनों देशों के एयरफोर्स चीफ ने बातचीत की, चीन की मदद से बनाया था विमान

# बांग्लादेश को जेएफ-17 फाइटर जेट बेचने की तैयारी में पाकिस्तान

*नवंबर 2024 में, 1971 के बाद पहली बार एक पाकिस्तानी कार्गो जहाज चटगांव बंदरगाह पहुंचा था। इसके अलावा अप्रैल 2025 में ढाका में 15 साल बाद दोनों देशों के विदेश सचिवों ने मुलाकात की थी। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने भी 27-28 अप्रैल को ढाका का दौरा किया था, जो 2012 के बाद पहली उच्च-स्तरीय यात्रा थी। इस दौरान दोनों देशों ने आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए समझौतों पर चर्चा की थी।*

**बातचीत**

ढाका, एजेंसी

पाकिस्तान बांग्लादेश को JF-17 थंडर फाइटर जेट बेचने की तैयारी में है। इसको लेकर दोनों देशों के वायुसेना प्रमुखों के बीच इस्लामाबाद में बातचीत हुई है। पाकिस्तानी सेना ने इसकी पुष्टि की है। बांग्लादेशी अखबार डेली स्टार के मुताबिक पाकिस्तान एयरफोर्स प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिधु और बांग्लादेश वायुसेना प्रमुख हसन महमूद खान के बीच बैठक हुई। इसमें JF-17 थंडर लड़ाकू विमानों की संभावित बिक्री और रक्षा सहयोग पर चर्चा की गई। JF-17 थंडर एक मल्टी-रोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट है, जिसे पाकिस्तान ने चीन के साथ मिलकर विकसित किया है। यह विमान हवा से हवा और हवा से जमीन पर हमला करने में सक्षम माना जाता है और पाकिस्तान वायुसेना में पहले से सेवा में है। दिसंबर के अंत में ढाका में पाकिस्तान के उच्चायुक्त ने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की थी। दिसंबर के अंत में ढाका में पाकिस्तान के उच्चायुक्त ने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की थी।

### बांग्लादेश को ट्रेनर विमान भी देगा पाकिस्तान

रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 'सुपर मुश्शक' ट्रेनर विमान की फास्ट-ट्रैक डिलीवरी का भरोसा भी दिया है। इसके साथ पायलट ट्रेनिंग और लॉन्ग-टर्म सपोर्ट सिस्टम उपलब्ध कराने की बात कही गई है। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक, दोनों देशों के बीच रक्षा, व्यापार और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी चर्चा चल रही है। बांग्लादेश की ओर से इस संभावित सौदे पर अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। हाल के महीनों में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक संपर्क बढ़े हैं।

### पाकिस्तान के साथ संबंध बढ़ा रहा बांग्लादेश

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में लगातार तनाव बना हुआ है। जबकि पाकिस्तान और बांग्लादेश के रिश्तों में लगातार सुधार आया है। मोहम्मद यूनुस अगस्त 2024 के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से दो बार मुलाकात कर चुके हैं।

# अमेरिकी अधिकारी ने कार सवार महिला को गोली मारी

## ट्रम्प बोले- यह डरावना, लेकिन अधिकारी का बचाव किया

- फुटेज में एक आईसीई एजेंट कार ड्राइवर महिला पर फायरिंग करता दिखा।
- महिला को गोली मारने के खिलाफ हजारों लोग मिनियापोलिस की सड़कों पर उतर आए।

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के मिनियापोलिस शहर में इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (ICE) के एक एजेंट ने कार सवार महिला को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। महिला की पहचान रेनी गुड (37) के तौर पर हुई है। वह तीन बच्चों की मां थीं। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (DHS) के मुताबिक महिला ने अधिकारियों को कार से टक्कर मारने की कोशिश की थी, जिसके बाद एजेंट ने कार्रवाई की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ICE एजेंट का बचाव किया है। उन्होंने दावा किया कि महिला ने जानबूझकर अधिकारी को निशाना बनाया। शूटिंग के वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रम्प ने कहा, वीडियो बेहद डरावना है। घटना के तुरंत बाद सैकड़ों लोग मौके पर जमा हो गए और ICE के खिलाफ नारेबाजी शुरू हो गई। शाम तक वहां श्रद्धांजलि सभा (विजिल) भी हुई, जिसमें लोगों ने इमिग्रेशन एजेंसियों का विरोध किया। होमलैंड सिक्योरिटी सचिव क्रिस्टी नोएम ने दावा किया कि महिला ने अधिकारियों को गाड़ी से कुचलने की कोशिश की थी।

**फास्ट न्यूज**

### सरकार ने एयरलाइंस से पूछा दिसंबर में कितना किराया वसूला

नई दिल्ली। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) ने इंडिगो समेत एअर इंडिया, स्पाइसजेट और अकासा एयर से दिसंबर महीने के दौरान वसूले गए एवरेज किराए का पूरा डेटा मांगा है। केंद्र सरकार ने यह कदम तब उठाया, जब पिछले महीने पायलटों की कमी के चलते इंडिगो ने हजारों फ्लाइट्स कैंसिल की थीं। जिससे पैसेंजर्स को भारी परेशानी हुई और उन्हें कई गुना किराया चुकाना पड़ा था।

### सेंसेक्स में 600 अंक से ज्यादा की गिरावट

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 8 जनवरी को गिरावट है। सेंसेक्स 500 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ 84,400 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी करीब 200 अंक की गिरावट है, ये 25,950 पर कारोबार कर रहा है। आज IT, ऑटो और एनर्जी शेयर्स में गिरावट है। कोल इंडिया की सहायक कंपनी भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (BCCL) का IPO कल यानी 9 जनवरी से ओपन होगा। यह इश्यू 13 जनवरी तक खुला रहेगा। कंपनी इसके जरिए 1,071.11 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है।

### बिना फिंगरप्रिंट और चाबी के खुलेगा घर का दरवाजा

लास वेगास/नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े टेक इवेंट CES 2026 में इस बार 'स्मार्ट होम' तकनीक ने सबका ध्यान खींचा है। कंपनियां ऐसे गैजेट्स लेकर आई हैं, जो न सिर्फ आपकी बात सुनते हैं, बल्कि घर के काम भी कम करते हैं। इस साल का मुख्य आकर्षण LG का घरेलू रोबोट और सैमसंग का 130-इंच का विशाल टीवी है। टेक एक्सपर्ट्स का मानना है कि 2026 वह साल होगा, जब रोबोटिक हेल्पर्स और AI बेस्ड मशीनें हमारे घरों का हिस्सा बनना शुरू होंगी।

# वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे का निधन

## कमाई का 75% हिस्सा दान करेंगे अनिल

पटना, एजेंसी

वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे अग्निवेश अग्रवाल का 49 साल की उम्र में निधन हो गया है। अग्निवेश अमेरिका में स्कीइंग के दौरान घायल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए न्यूयॉर्क के माउंट सिनाई अस्पताल में भर्ती कराया गया था 7 जनवरी 2026 को अस्पताल में ही उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया। पिता अनिल अग्रवाल ने रात करीब 10 बजे सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। अनिल ने लिखा, हमें लगा था कि बुरा वक्त बीत चुका है, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। उन्होंने अपने बेटे को याद करते हुए इसे जीवन का सबसे अंधकारमय दिन बताया। वे बेटे से किए वादे को निभाते हुए अपनी निजी कमाई का 75% हिस्सा दान करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनिल अग्रवाल के पोस्ट रिप्लाई करते हुए X पर लिखा ₹अग्निवेश अग्रवाल का अचानक चले जाना बहुत झकझोर देने वाला और दुखद है। आपके इस भावुक संदेश से आपके गम की गहराई साफ दिख रही है। दुआ है कि आप और आपका परिवार लगातार हिम्मत और ताकत पाएं। ओम शांति।" अग्निवेश अग्रवाल का जन्म 3 जून 1976 को पटना में हुआ था। उनकी शुरुआती पढ़ाई अजमेर के मेयो कॉलेज से हुई थी। अग्निवेश अग्रवाल की शादी की जानकारी सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध नहीं है।

# वेनेजुएला से तेल खरीदने जा रहा था, रूसी सांसद ने एटमी हमले की धमकी दी

# अमेरिका ने रूसी जहाज पकड़ा उस पर तीन भारतीय थे

मॉस्को, एजेंसी

अमेरिका ने बुधवार को जिस रूसी जहाज मैरिनेरा को पकड़ा था उस पर तीन भारतीय नागरिक भी सवार थे। यह जानकारी रूसी न्यूज एजेंसी रशिया टुडे ने सूत्रों के हवाले से दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, मैरिनेरा जहाज पर कुल 28 लोग मौजूद थे। इनमें 17 यूक्रेनी, 6 जॉर्जियाई, 3 भारतीय और 2 रूसी नागरिक थे। अमेरिका का आरोप है कि यह जहाज वेनेजुएला से तेल ले जा रहा था और उसने अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन किया। इस जहाज के पकड़े जाने के बाद रूसी सांसद एलेक्सी जुरावल्योव ने कहा राष्ट्रपति पुतिन को एटमी हथियारों से हमला करना चाहिए और अमेरिकी कोस्ट गार्ड के जहाजों को डुबा देना चाहिए। वहीं, अमेरिका की यूरोपीय मिलिट्री कमांड ने कहा कि इस टैंकर को अमेरिकी फेडरल कोर्ट के आदेश पर पकड़ा गया। अमेरिकी कोस्ट गार्ड काफी समय से इस जहाज पर नजर रखे हुए था। अमेरिका का दावा है कि जहाज जानबूझकर उनसे बचता रहा। अमेरिका ने जिस रूसी जहाज को पकड़ा, पहले इसका नाम बेला-1 था। अमेरिका ने इसे प्रतिबंधित जहाजों की लिस्ट में डाल दिया था। दिसंबर 2025 में यह वेनेजुएला की ओर जा रहा था, लेकिन अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने इसे रोकने की कोशिश की।

*रूस ने कहा कि यह टैंकर एक निजी व्यापारी का था और पहले यह गुयाना के झंडे के तहत चल रहा था। जब अमेरिका ने जहाज को अमेरिकी बंदरगाह ले जाने का आदेश दिया, तो जहाज ने मना कर दिया और अटलांटिक महासागर की ओर चला गया। इसके बाद अमेरिका और नाटो देशों ने इसका पीछा किया, जिसमें ब्रिटेन ने भी मदद की।*

### रूस बोला- अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ा

रूस ने इस कार्रवाई पर कड़ा विरोध जताया है। रूस के परिवहन मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी सैनिकों ने इस जहाज को खुले समुद्र में रोका, जहां किसी भी देश का अधिकार नहीं होता। रूस का कहना है कि यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून का उल्लंघन है। वहीं चीन ने भी अमेरिकी की इस कार्रवाई का विरोध किया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका को पहले ही बता दिया गया था कि यह जहाज रूसी है और सिविल काम के लिए इस्तेमाल हो रहा है। रूस ने मांग की है कि जहाज पर मौजूद रूसी नागरिकों के साथ सही व्यवहार किया जाए और उन्हें सुरक्षित घर लौटने दिया जाए। चीन ने भी अमेरिका की इस कार्रवाई की आलोचना की है।

## इसमें यूएन की 31 एजेंसी शामिल, 22 जनवरी से डब्ल्यूएचओ का मेंबर नहीं रहेगा यूएस

# अमेरिका 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से बाहर निकलेगा

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अमेरिका को आधिकारिक रूप से बाहर निकालने की घोषणा की है। द गार्डियन के मुताबिक, इसमें 35 गैर-संयुक्त राष्ट्र (UN) संगठन और 31 संयुक्त राष्ट्र संस्थाएं शामिल हैं। व्हाइट हाउस और स्टेट डिपार्टमेंट के अनुसार, ये संगठन अमेरिकी हितों के खिलाफ हैं। इनमें पैसों की बर्बादी होती है। इसके अलावा ये गैरजरूरी या खराब तरीके से चलाए जा रहे हैं। इस कदम को ट्रम्प की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति का हिस्सा बताया जा रहा है, जो वैश्विक संस्थाओं से दूरी बनाने पर जोर देती है। इससे पहले ट्रम्प ने जनवरी 2025 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) से बाहर निकलने की घोषणा की थी। WHO की सदस्यता से बाहर निकलने के लिए एक साल का नोटिस पीरियड जरूरी होता है। 22 जनवरी के बाद अमेरिका WHO का सदस्य नहीं रहेगा। इस फैसले की सबसे बड़ी बात है अमेरिका का संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (UNFCCC) से बाहर होना। UNFCCC 1992 का समझौता है, जो दुनिया के लगभग सभी देशों को जोड़ता है और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में मदद करता है। यह पेरिस जलवायु समझौते के लिए भी अहम है।

### ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में अमेरिका दूसरे नंबर पर

एक्सपर्ट का कहना है कि इससे वैश्विक जलवायु प्रयासों को गहरा झटका लगेगा। अमेरिका दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक देश है। कि इससे दूसरे देशों को अपनी जलवायु प्रतिबद्धता टालने और मनमानी करने का बहाना मिल सकता है। ट्रम्प लंबे समय से जलवायु परिवर्तन को 'धोखा' बताते आए हैं।

**"मैकार्थी ने कहा कि अब दुनिया का एकमात्र देश जो यूएनएफसीसीसी का हिस्सा नहीं होगा, वह अमेरिका होगा, इससे अमेरिका ट्रिलियंस डॉलर की निवेश, नीतियों और फैसलों को प्रभावित करने की क्षमता खो देगा, जो अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाते और महंगी आपदाओं से बचाते।**

# बांग्लादेश में बीएनपी नेता की गोली मारकर हत्या

## अस्पताल में भर्ती कराया, बाइक सवार हमलावरों ने निशाना बनाया

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बुधवार रात बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) के नेता अजीजुर रहमान मुसब्बिर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हमले में उनके साथ अबू सूफियान मसूद गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रात करीब 8:40 बजे करवान बाजार के तेजतुरी बाजार इलाके में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने स्टार कबाब के पास अचानक फायरिंग शुरू कर दी और मौके से फरार हो गए। गोली लगने से मुसब्बिर और मसूद दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। मुसब्बिर को तुरंत BRB अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। तेजगांव डिविजन के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त फजलुल करीम ने मुसब्बिर की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि दोनों पर एक संकरी गली में हमला किया गया था। हादी इस्लामी संगठन 'इंकलाब मंच' के प्रवक्ता थे और चुनाव में ढाका से निर्दलीय उम्मीदवार थे। इंकलाब मंच अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन के बाद एक संगठन के रूप में उभरा। इसने तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग की सरकार को गिरा दिया था।

**"यह संगठन अवामी लीग को आतंकवादी करार देते हुए पूरी तरह खत्म करने और नौजवानों की सुरक्षा की मांग को लेकर सक्रिय रहा। यह संगठन राष्ट्रीय स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा पर जोर देता है। मई 2025 में अवामी लीग को भंग करने और चुनावों में अयोग्य ठहराने में इस संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।**

अजीजुर रहमान मुसब्बिर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) के स्वेच्छासेवक दल से जुड़े थे।

**आस्था :** राष्ट्रपति मादुरो भी भक्त थे, बाबा के निधन पर देश में राजकीय शोक था

# भारत के सत्य साईं वेनेजुएला में घर-घर मशहूर कैसे हुए

करोकस, एजेंसी

पिछले हफ्ते वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को न्यूयॉर्क की एक अदालत में पेश किया गया तो उन्होंने कई बार भगवान का नाम लिया। मादुरो ने कहा, "मैं भगवान का आदमी हूं। मैं आजाद हो जाऊंगा" मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अदालत में दिखे इस व्यवहार के पीछे मादुरो की आध्यात्मिक आस्था है, जो रोमन कैथोलिक चर्च से नहीं, बल्कि भारत के एक ऐसे गुरु से जुड़ी है जिन्हें करोड़ों लोग 'चमत्कारों का पुरुष' मानते हैं। मादुरो का जन्म एक कैथोलिक परिवार में हुआ था और वेनेजुएला भी कैथोलिक बहुल देश है। इसके बावजूद मादुरो उन प्रमुख वेनेजुएलाई नेताओं में शामिल थे, जिन्हें दिवंगत भारतीय गुरु श्री सत्य साईं बाबा का भक्त बताया जाता है।

### मादुरो की पत्नी भी साईं बाबा की भक्त

मादुरो को सत्य साईं बाबा से जोड़ने में सबसे बड़ा रोल उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस का माना जाता है। सिलिया फ्लोरेस खुद एक वकील और नेता हैं और नेशनल असेंबली की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। वे मादुरो से शादी से पहले ही सत्य साईं बाबा की भक्त थीं। उन्हीं के जरिए मादुरो पहली बार बाबा के संपर्क में आए और धीरे-धीरे उनकी आस्था भी गहरी होती चली गई।

### सत्य साईं बाबा के निधन पर वेनेजुएला में मना राष्ट्रीय शोक

मादुरो के करीबी बताते हैं कि सत्य साईं बाबा की एक बड़ी तस्वीर उनके ऑफिस में भी लगी थी। 2011 में जब सत्य साईं बाबा की मृत्यु हुई थी, तब वेनेजुएला ने एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया था। हालांकि तब मादुरो वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो नहीं थे, लेकिन वे विदेश मंत्री थे और सत्ता के बेहद करीब थे। इसके बावजूद वेनेजुएला सरकार ने उनके निधन को सिर्फ एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय महत्व की घटना की तरह लिया।

### वेनेजुएला की महिला ने सपने में सत्य साईं बाबा को देखा था

धार्मिक खबरों से जुड़ी वेबसाइट 'रिलिजन न्यूज सर्विस (RNS)' के मुताबिक वेनेजुएला में सत्य साईं बाबा संगठन की शुरुआत किसी बड़े मिशन या प्रचार से नहीं हुई। इसकी शुरुआत एक महिला के व्यक्तिगत आध्यात्मिक अनुभव से हुई। इस महिला का नाम था एना एलेना डियाज-वियाना, जिन्हें वेनेजुएला की पहली साईं भक्त माना जाता है। वे मादुरो से शादी से पहले ही सत्य साईं बाबा की भक्त थीं।

# चांदी ₹12 हजार गिरकर ₹2.36 लाख किलो पर आई

## सोना ₹1,232 सस्ता होकर ₹1.35 लाख पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 8 जनवरी को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का दाम 1,232 रुपए गिरकर 1,35,443 रुपए पर आ गया है। इससे पहले ये 1,36,675 रुपए पर था। वहीं 1 किलो चांदी की कीमत 1,22,25 रुपए कम होकर 2,35,775 रुपए पर आ गई है। इससे पहले कल ये 2,48,000 रुपए पर थी, जो इसका ऑल टाइम हाई भी है। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि चांदी के रेट कल ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे ऐसे में कई निवेशक प्रॉफिट बुक कर रहे हैं। इससे आज चांदी के दाम में बढ़ी गिरावट है। वहीं सोने में भी निवेशक प्रॉफिट बुक कर रहे हैं। हालांकि ये गिरावट लम्बी नहीं चलेगी। आने वाले दिनों में सोने-चांदी के दाम में फिर तेजी देखने को मिल सकती है। चांदी इस साल 2.75 लाख तक जा सकती है। वहीं सोने के बात करें तो इसकी डिमांड में भी तेजी बनी हुई। ऐसे में इस साल आखिर तक ये 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार जा सकता है। अगर आप कल छोटी रकम के साथ सोने या चांदी में निवेश करना चाहते हैं तो गोल्ड या सिल्वर एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ETF) के जरिए इसमें निवेश कर सकते हैं। एक्सचेंज ट्रेडेड फंड सोने के गिरते-चढ़ते भावों पर बेस्ड होते हैं। गोल्ड या सिल्वर ETFs की खरीद-बिक्री शेयर की ही तरह BSE और NSE पर की जा सकती है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96